आश्विन कृष्ण - 2 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 11 ■ अंक - 69 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » रविवार » 01-10-2023 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

4 राजस्थान में कानून व्यवस्था ठप, अराजकता का माहौल : सीपी जोशी

6 मेजर मनीष पीतांबरे: खतरनाक सैन्य अभियानों में सिद्ध की अपनी योग्यता

7 'ग्राउंड जीरो के ग्लोबल हीरो' बन गए हैं प्रधानमंत्री : नकवी

REPCO BANK
(Govt. of India Enterprise)
REPCO 400
New Deposit Scheme
For Senior Citizen
8.50% p.a.
8.00% p.a. For General
Conditions apply
*For members only
www.repcobank.com
044 - 2834 0715, 2834 3716

फर्स्ट टेक

दो हज़ार रुपए के नोट जमा करने की अवधि बढ़ी

मुंबई/वार्ता। भारतीय रिजर्व बैंक ने प्रचलन से वापस लिए गए दो हज़ार रुपए के 14 हजार करोड़ मूल्य के बैंक नोट के जमा नहीं कराये जाने के मद्देनजर इस नोट को जमा करने या बदलने की अवधि सात दिन बढ़ाकर सात अक्टूबर 2023 कर दी है। रिजर्व बैंक ने कहा कि दो हजार रुपए के बैंक नोट को जमा कराने या बदलने की शनिवार को अंतिम तिथि थी लेकिन कल तक 14 हजार करोड़ मूल्य के बैंक नोट न तो जमा किए गए और न ही बदले गए। इसके मद्देनजर तिथि बढ़ाने का निर्णय लिया गया है।

जम्मू-कश्मीर खुले में शौच से मुक्त प्रदेश बना

नई दिल्ली/वार्ता। जम्मू-कश्मीर ने खुले में शौच से मुक्त (ओडीएफ प्लस) मॉडल वाले प्रदेश का दर्जा प्राप्त कर लिया है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि स्वच्छ भारत मिशन- ग्रामीण के तहत जम्मू-कश्मीर के सभी 6650 गांव ओडीएफ प्लस मॉडल घोषित किए गए हैं और प्रदेश को सौ प्रतिशत ओडीएफ प्लस मॉडल वाले राज्य का दर्जा मिल गया है। मंत्रालय के अनुसार पूरे राज्य में 17.4 लाख से अधिक घरेलू शौचालय, पांच लाख सोक पिट; 1.8 लाख कम्पोस्ट पिट, 6509 अपशिष्ट अलग करने के पृथक्करण शेड और 5523 सामुदायिक स्वच्छता परिसरों का निर्माण किया गया है।

न्यूयॉर्क में बारिश के कहर के बाद आपातकालीन स्थिति घोषित

न्यूयॉर्क/वार्ता। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में भारी बारिश के कहर के बाद आयी बाढ़ के कारण आपातकालीन स्थिति की घोषित कर दी गई है। शहर के सबवे, सड़कों और राजमार्गों पर पानी भर गया है, जबकि लागार्डिया हवाई अड्डे पर कम से कम एक टर्मिनल बाद में फिर से खोलने से पहले शुक्रवार को बंद कर दिया गया था। शहर के कुछ हिस्सों में आठ इंच तक बारिश होने से बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गयी थी, लेकिन शाम तक आसमान साफ शांत हो गया था।

01-10-2023 सूर्यास्त 5:58 बजे | 02-10-2023 सूर्योदय 5:59 बजे

BSE	NSE
65,828.41	19,638.30
(+320.09)	(+114.75)

सोना	चांदी
5,992 रु.	76,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

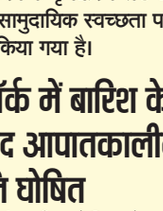

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

रंगे सियार

लटक रही तलवार आप पर,
रोज नया होता पंगा।
चाल सियासी चलते सारे,
करते हैं खुद को नंगा।
चाहे लड़ ले आपस में पर,
हाल सभी का है चंगा।
राजनीति के अमर कुण्ड में,
हर सियार लगता रंगा।।

854 करोड़ की साइबर धोखाधड़ी का भंडाफोड़, छह गिरफ्तार

- पुलिस अधिकारी के मुताबिक, गिरोह ने पीड़ितों को व्हाट्सएप और टेलीग्राम के जरिये अपने जाल में फंसाया।
- कुल 854 करोड़ रुपए की धनराशि क्रिप्टो करेंसी (बाइनेंस), पेमेंट गेटवे, गेमिंग ऐप के जरिये विभिन्न ऑनलाइन भुगतान माध्यमों में भेजी गई।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। बेंगलूरु पुलिस ने 854 करोड़ रुपए के साइबर धोखाधड़ी घोटाले का पर्दाफाश कर एक निवेश योजना की आड़ में देशभर से हजारों लोगों को ठगने के आरोप में छह लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मनोज, पानिन्द्र, चक्रधर, श्रीनिवास, सोमाशेखर और वशनाथ के रूप में हुई है और ये सभी बेंगलूरु के रहने वाले हैं।

पुलिस ने बताया कि तीन अन्य आरोपियों की पहचान की गई है, जिनपर इस पूरे घोटाले का सूत्रधार होने का आरोप है। पुलिस के मुताबिक, उन्हें गिरफ्तार करने के प्रयास किए जा रहे हैं। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि ठगी की कुल रकम में से पांच करोड़ रुपए जब्त कर लिए गए हैं। पुलिस के मुताबिक, बेंगलूरु के एक अकेले शख्स से 49 लाख रुपए की धोखाधड़ी हुई है।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के मुताबिक, गिरोह ने पीड़ितों को व्हाट्सएप और टेलीग्राम के जरिये अपने जाल में फंसाया।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि धनराशि मिलने के बाद आरोपी उसे धन शोधन से जुड़े खातों में भेज देते। उन्होंने बताया कि कुल 854 करोड़ रुपए की धनराशि क्रिप्टो करेंसी (बाइनेंस), पेमेंट गेटवे, गेमिंग ऐप के जरिये विभिन्न ऑनलाइन भुगतान माध्यमों में भेजी गई। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए सभी छह आरोपी अलग-अलग भूमिकाएं निभाते थे। इनमें से कुछ आरोपी लोगों को पहचान कर उन्हें व्हाट्सऐप और टेलीग्राम के माध्यम से अपना निशाना बनाते थे जबकि अन्य पैसा जमा कराने व धोखाधड़ी से हासिल की गई रकम को हस्तांतरित करने के लिए बैंक खातों का इंतजाम किया करते थे।

तमिलनाडु में बस खाई में गिरी, आठ की मौत, कई अन्य घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नीलगिरि (तमिलनाडु)/भाषा। तमिलनाडु के पहाड़ी जिले नीलगिरि में शनिवार को एक पर्यटक बस के खाई में गिरने से कम से आठ लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि मृतकों में चार महिलाएं और एक बच्चा शामिल है।

मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने मौतों पर दुख जताया और मृतकों के परिजन के लिए आर्थिक सहायता की घोषणा की।

मृतक तेनकासी जिले के काडयम के रहने वाले थे। वे लोग घर लौट रहे थे, तभी यह दुर्घटना हुई। पुलिस ने बताया कि चालक के नियंत्रण खोने के बाद बस खाई में गिर गई, जिसके बाद पुलिसकर्मी और दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे। ज्यादातर घायलों को इलाज के लिए पास स्थित कोयंबटूर भेजा गया है।

मुख्यमंत्री ने दुर्घटना को लेकर चिंता जताते हुए पीड़ितों के परिजनों के प्रति अपनी सहानुभूति प्रकट की। उन्होंने प्रत्येक मृतक के परिवारों के लिए दो लाख रुपये और गंभीर रूप से घायलों के लिए एक-एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता की घोषणा की। उन्होंने एक बयान में कहा कि मामूली रूप से घायल हुए प्रत्येक व्यक्ति को 50,000 रुपये मुहैया कराये जाएंगे।

भारत के 'आदित्य-एल1' यान ने 9.2 लाख किलोमीटर से अधिक की दूरी तय की

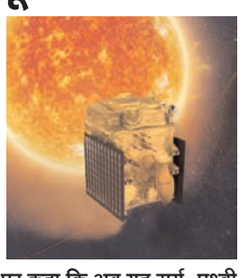

बेंगलूरु/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शनिवार को कहा कि 'आदित्य-एल1' अंतरिक्ष यान पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण प्रभाव क्षेत्र से सफलतापूर्वक बाहर निकलकर धरती से 9.2 लाख किलोमीटर से अधिक की दूरी तय कर चुका है। राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसी ने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर कहा कि अब यह सूर्य-पृथ्वी लैग्रेंजियन बिंदु 1 (एल1) की ओर अपना मार्ग तय कर रहा है। इसरो ने देश के पहले सूर्य मिशन के तहत 'आदित्य एल1' यान को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा अंतरिक्ष केंद्र से पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (पीएसएलवी)-सी57 के जरिये दो सितंबर को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया था। 'आदित्य एल1' सात पेलोड लेकर गया है, जिनमें से चार सूर्य के प्रकाश का निरीक्षण करेंगे और शेष तीन प्लाज्मा और चुंबकीय क्षेत्र के इन-सीटू मापदंडों को मापेंगे। 'आदित्य एल1' के लगभग 15 लाख किलोमीटर की दूरी तय कर लैग्रेंजियन बिंदु 'एल1' के आसपास 'हेलो' कक्षा में स्थापित होने की उम्मीद है, जिसे सूर्य के सबसे करीब माना जाता है। यह सूर्य के चारों ओर उसी सापेक्ष स्थिति में चक्कर लगाएगा और इसलिए यह लगातार सूर्य को देख सकता है।

इमरान खान, कुरैशी गोपनीय राजनयिक दस्तावेज लीक मामले में दोषी घोषित

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान की शीर्ष जांच एजेंसी ने गोपनीय राजनयिक दस्तावेजों को कथित तौर पर लीक करने के मामले में शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी को दोषी घोषित किया। पाकिस्तान ऑब्जर्वर वेबसाइट की खबर के अनुसार, संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के अध्यक्ष खान और उनके सहयोगी कुरैशी के खिलाफ सरकारी गोपनीयता अधिनियम के तहत गठित विशेष अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया है। वे दोनों अभी जेल में, या न्यायिक हिरासत में हैं। खान (70) को, एक गोपनीय राजनयिक दस्तावेज का खुलासा कर सरकारी गोपनीयता अधिनियम का कथित उल्लंघन करने को लेकर पिछले महीने गिरफ्तार किया गया था।

'महिलाओं को जाति के आधार पर बांटने की चालें चल रही है कांग्रेस'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बिलासपुर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महिला आरक्षण में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की महिलाओं के लिए आरक्षण की मांग कर रही कांग्रेस पर शनिवार को निशाना साधा और कहा कि वे (कांग्रेस) महिलाओं को जाति के आधार पर विभाजित करने की नई चालें चल रहे हैं।

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर शहर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की 'महासंकल्प परिवर्तन' रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों से वादा किया कि यदि पार्टी राज्य की सत्ता में आई तो उनके मंत्रिमंडल का पहला फैसला आवास आवंटन की प्रक्रिया में तेजी लाकर हर गरीब को पक्का घर मुहैया कराना होगा। छत्तीसगढ़ में इस वर्ष के अंत में विधानसभा के चुनाव होना है। राज्य में कांग्रेस सत्ता में है। राज्य विधानसभा की 90 में से 71 सीटों पर कांग्रेस के विधायक निर्वाचित हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, मोदी ने आपको दी गई गारंटी पूरी कर दी है। इससे लोकसभा, विधानसभा में बहनों के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित हो जाएंगी। भाजपा सरकार में नारी शक्ति वंदन अधिनियम अब सच्चाई बन चुका है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी ने इस पर हस्ताक्षर कर दिया है। यह अधिनियम अब कानून बन गया है। उन्होंने कहा, मोदी जो गारंटी देता है, वह पूरी करता है लेकिन आपको खासकर माता-बहनों को बहुत सतर्क रहना होगा। यह 30 साल से लटका हुआ था। सरकार आईं और गईं, नाटक करते रहे लेकिन काम नहीं किया। कांग्रेस और इसके घमंडिया साथियों को लग रहा है कि मोदी ने क्या कर दिया। वह गुस्से से भरे हुए हैं। उनको लगता है कि यह सभी माताएं, बहनें मोदी को ही आशीर्वाद देंगी। उनकी नींद हराम हो गई है, इसलिए डर के कारण नए-नए खेल रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आपको मालूम है कि ना चाहते हुए भी उनको संसद में समर्थन क्यों करना पड़ा क्योंकि माताएं बहनें आपकी जागरूकता के कारण ऐसा हुआ। अब उन्होंने नया खेल शुरू कर दिया है, अब वे बहनों में भी फूट डालना चाहते हैं। बहनें संगठित हो गई हैं। यह चाहते हैं कि माताएं बहनें संगठित ना हों। जातिवाद में उनको तोड़ा जाए इसलिए भांति-भांति के तर्क देकर विभाजन कर दिया जाए, झूठ फैला दिया जाए। मैं छत्तीसगढ़ की माताओं-बहनों को कहना चाहता हूं कि वह सतर्क रहें। उन्होंने महिला आरक्षण को आने वाले हजारों साल तक प्रभाव पैदा करने वाला निर्णय बताया। उन्होंने कहा, हर परिवार में माताओं-बहनों को शक्ति देने वाला काम हुआ है। आपकी बेटी का भविष्य उज्ज्वल बनाने का काम हुआ है। कृपा करके मेरी माताएं-बहनें झूठ बोलने वालों के झूठ पर ना फंस जाएं। आपको तोड़ने की कोशिश की जा रही है। आपमें एकता बनी रहनी चाहिए। आपका आशीर्वाद बना रहना चाहिए, जिससे मोदी सबके सपने पूरे करता रहे।

आज से वंदे भारत ट्रेन की सफाई महज 14 मिनट में होगी

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय रेलवे एक अक्टूबर से ट्रेन की तेज गति से सफाई के लिए 'चमत्कारिक 14 मिनट' की अवधारणा अपना रहा है और इसकी शुरुआत 29 वंदे भारत ट्रेन से देशभर में स्थित उनसे संबंधित गंतव्य स्टेशनों से होगी। इसकी औपचारिक शुरुआत रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव दिल्ली कैंट रेलवे स्टेशन से करेंगे। वैष्णव ने संवाददाताओं से कहा कि समय पालन में सुधार की पहल के तहत वंदेभारत ट्रेन की सफाई 14 मिनट में की जाएगी। मंत्री ने कहा, ''यह अनोखी अवधारणा है और जिसे पहली बार भारतीय रेलवे में अपनाया गया है।'' यह पहल जापान के ओसाका, टोक्यो आदि जैसे विभिन्न स्टेशनों पर 'चमत्कारिक 7 मिनट' की अवधारणा पर आधारित है, जहां सभी बुलेट ट्रेन को सात मिनट के भीतर साफ करके दूसरी यात्रा के लिए तैयार किया जाता है। मंत्री ने कहा कि इस गतिविधि में पहले से लगे अग्रिम पंक्ति के कार्यबल की संख्या में वृद्धि किए बिना सफाई कर्मियों की दक्षता, कौशल और कामकाजी रवैये को बढ़ाकर यह सेवा संभव बनाई गई है।

बड़ी वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए दुनिया को एक साथ लाने की आवश्यकता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि जलवायु परिवर्तन और आर्थिक प्रगति जैसी बड़ी वैश्विक चुनौतियों से अलग रहकर प्रभावी रूप से नहीं निपटा जा सकता तथा विश्व को एक साथ लाना और ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया है।

जयशंकर ने यहां विश्व संस्कृति महोत्सव में भाग ले रहे हजारों लोगों को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। इस महोत्सव का चौथा संस्करण अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन के ऐतिहासिक नेशनल मॉल में आयोजित किया जा रहा है। अगले तीन दिन में 100 से अधिक देशों के 10 लाख से अधिक लोगों के इस विशाल सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने और 180 से ज्यादा देशों के 17,000 से अधिक कलाकारों की प्रस्तुति देखने की संभावना है।

जयशंकर ने 'आर्ट ऑफ लिविंग' को बधाई देते हुए कहा कि वह आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर के मार्गदर्शन में हम सभी को एक साथ लेकर आई है। उन्होंने कहा कि जब मैं अपने आसपास देखता हूं तो यह वैश्विक विचार और अंतरराष्ट्रीय समझ स्पष्ट होती है। उन्होंने कहा कि मानवता सही मायने में एक विविध समूह है और इसे संस्कृति, परंपरा, विरासत और पहचान के जरिए व्यक्त किया जाता है।

उन्होंने कहा, जलवायु परिवर्तन, आर्थिक प्रगति या सामाजिक कल्याण जैसी बड़ी चुनौतियों से अलग रहकर प्रभावी तरीके से नहीं निपटा जा सकता।

घुसपैठ की कोशिश नाकाम, दो आतंकवादी ढेर

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में शनिवार को नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करते हुए सुरक्षा बलों ने भारी हथियारों से लैस दो आतंकवादियों को मार गिराया। यह जानकारी पुलिस ने दी। घुसपैठ की कोशिश उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के माछिल सेक्टर के कुमकाडी इलाके में हुई। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने कहा कि कुपवाड़ा पुलिस को मिली खुफिया जानकारी के आधार पर पुलिस और सेना की एक संयुक्त टीम ने माछिल सेक्टर में नियंत्रण रेखा के पास कुमकाडी इलाके में तलाशी अभियान शुरू किया। प्रवक्ता ने कहा कि संयुक्त टीम की नजर आतंकियों की गतिविधियों पर पड़ी। संयुक्त टीम ने सावधानीपूर्वक रणनीति अपनाते हुए आतंकवादियों को रोक दिया। पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि आतंकवादियों ने संयुक्त टीम पर अंधाधुंध गोलीबारी की जिसके कारण सुरक्षा बलों ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए भारी हथियारों से लैस दो अज्ञात आतंकवादियों को मार गिराया गया।

पुरुष हॉकी में भारत ने पाकिस्तान को 10-2 से पीटकर सेमीफाइनल के लिए किया क्वालिफाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हांगझोउ/वार्ता। कप्तान हरमनप्रीत की हैट्रिक और आक्रामक खेल शैली की बदौलत भारत ने शनिवार को एकतरफा मुकाबले में पाकिस्तान को 10-2 से पीट कर सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया है। आज यहां पाकिस्तान के साथ पूल ए के मुकाबले में भारतीय टीम शुरुआत में ही आक्रामक अंदाज में दिखी। मनदीप सिंह ने 8वें मिनट में गोल दागकर भारत को 1-0 से बढ़त दिलाई। इसके बाद अभिषेक और मनदीप सिंह ने आपस में बेहतरीन तालमेल बनाया और मनदीप ने सिंह ने विपक्षी गोलकीपर को चकमा देते हुए शानदार गोल किया जबकि हरमनप्रीत सिंह ने 11वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में तब्दील कर भारत की बढ़त को 2-0 तक पहुंचा दिया। पहले क्वार्टर की समाप्ति तक भारत ने 2-0 से बढ़त बना ली। दिलचस्प बात यह है कि ललित कुमार उपाध्याय भारत के लिए अपना 150वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहे हैं। इस भारतीय फॉरवर्ड ने 2014 हॉकी विश्व कप में भारत के लिए डेब्यू किया था। 29 वर्षीय खिलाड़ी 2018 एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा थे। वह टोक्यो 2020 के ओलंपिक कांस्य पदक विजेता भी हैं। भारतीय टीम अभी तक पूरी तरह से पाकिस्तान के ऊपर हावी दिख रही है। दूसरे क्वार्टर में ललित कुमार ने गोल करने का एक मौका बनाया, लेकिन उनका प्रयास साइड नेटिंग से टकराकर असफल हो गया। दूसरे क्वार्टर के आखिरी लम्हों में सुमित ने गोलकर भारत को 4-0 से बढ़त दिलाई। इस तरह पहले हाफ की समाप्ति तक भारत ने एकतरफा अपनी बढ़त बरकरार रखी और पाकिस्तान टीम को एक भी गोल नहीं करने दिया।

पाकिस्तान को हराकर भारत बना सैफ अंडर-19 फुटबॉल चैम्पियन

काठमांडू / भाषा। मैंगलेंथांग किपगेन के शानदार खेल के बूते भारत ने सैफ अंडर-19 फुटबॉल के फाइनल में शनिवार को यहां पाकिस्तान को 3-0 की करारी शिकस्त दी। नेपाल के खिलाफ सेमीफाइनल में पेनल्टी शूटआउट में गोल कर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले किपगेन एक बार फिर नायक बना कर उभरे। उन्होंने 64वें और 85वें मिनट में गोल करने के बाद आखिरी क्षणों (90 + 5 मिनट) ग्वगवांसर गोयारय के लिए मौका बनाया। यह सैफ चैंपियनशिप में भारत का आठवां युवा वर्ग का खिताब है।

सहज स्मृति योग

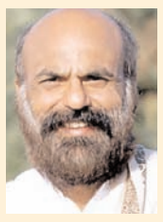

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: मन अस्थाई, चंचल और बाहरी परिवेश से त्वरित प्रभावित होता है; अंतर्मन किस से प्रभावित होता है?

उत्तर: मन एक ही है। जब वह नानात्व के बोध को पार कर स्वबोध को उपलब्ध होता है तो वही अंतर्मुखी होकर शुद्ध बुद्धि की शरण में जाने से अंतर्मन/अंतः करण/अंत:चित/अंत:स्थल आदि कहा जाता है, ये सब उसी एक मन की अवस्था के लोक प्रचलित नाम हैं। वह कोई विलग वस्तु नहीं है। मन वही का वही है पर अब वह गुरु के अभाव में अहंकार या शिवत्व से, स्मृति से, बुद्धि से, प्रभावित होने लगता है।।गुरु के सान्निध्य में मन सम-आप्त होकर प्रत्याहार में प्रवृत्त होता है और शुद्ध बुद्धि, शुद्ध स्मृति, शुद्ध अहंकार के सहयोग से क्रमशः एकाग्र व निरुद्ध चित्त होकर स्वानुभूति की अवस्था में प्रतिष्ठित हो चतुर्थ की प्राप्ति हेतु गुरु से आप्लावित/प्रभावित होकर आत्म तत्व-बोध की ओर बढ़ता रहता है। इस बीच, जिसे पूर्व में अंतर्मन कहा है वह अपनी तीनों अवस्थाओं में विवेक पूर्वक संसार को स्वप्नवत् देखता रहता है और संसार में स्वप्नवत् ही व्यवहार करता रहता है क्योंकि यही संसार की यथार्थ अवस्था है। और पूर्ण आत्मबोध होने पर उसे स्वयं ही अपने गुरु के साथ शाश्वत यथार्थ परम संबंध की अनुभूति होने लगती है। गुरु कृपा से स्मृति लब्ध हो शोक मोह संदेह भ्रम से जीवन पर्यन्त मुक्त प्रसन्नचित्त बना रहता है।

पंजाब में किसानों का 'रेल रोको' आंदोलन तीसरे दिन भी रहा जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब में किसानों का 'रेल रोको' आंदोलन शनिवार को तीसरे दिन भी जारी है। प्रदर्शनकारी किसान हाल ही में आई बाढ़ में फसल के नुकसान के लिए मुआवजे, न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी और व्यापक कर्ज माफी की मांग कर रहे हैं।

रेलवे अधिकारियों ने बताया कि आंदोलन की वजह से ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित हुई है, जिससे कुछ ट्रेनों को रद्द करना पड़ा और कुछ ट्रेनों को गंत्वयों से पहले ही समाप्त किया गया या फिर उनके मार्ग परिवर्तित कर दिए गए है। तीन दिवसीय आंदोलन में शामिल किसान बृहस्पतिवार से फरीदकोट, समराला, मोगा, होशियारपुर, गुरदासपुर, जालंधर, तरनतारन, संगरूर, पटियाला, फिरोजपुर, बठिंडा और अमृतसर में रेल पटरियों पर बैठे हुए हैं। आंदोलन की वजह से सैकड़ों की संख्या में रेल यात्री पंजाब और हरियाणा में फंसे हुए हैं। लुधियाना स्टेशन पर खड़े रेल यात्री ने कहा कि वह गोरखपुर जाने वाली ट्रेन में सवार होने के लिए सड़क के माध्यम से जालंधर से यहां आए थे लेकिन रेल कब आएगी जानकारी नहीं है। स्टेशन पर खड़े एक अन्य यात्री ने कहा कि आंदोलन की वजह से अमृतसर से उनकी ट्रेन रद्द हो गई जिससे उनके परिवार के 12 सदस्यों को बिहार जाना था। यात्री ने बताया कि उन्हें बाद में पता चला कि ट्रेन लुधियाना से जाएगी और उनके परिवार को अमतृसर से सड़क मार्ग से आना पड़ा। उन्होंने बताया कि हालांकि ट्रेन के बारे में अभी भी कोई सूचना नहीं है।

अधिकारी ने बताया कि किसानों के आंदोलन से अंबाला और फिरोजपुर रेलवे संभाग प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित हुए हैं। इस तीन दिवसीय आंदोलन में किसान मजदूर संघर्ष समिति, भारतीय किसान यूनियन (भाकियू-क्रांतिकारी), भाकियू (एकता आजाद), आजाद किसान कमेटी, दोआबा, भाकियू (बेहरामके), भाकियू (शहीद भगत सिंह) और भाकियू (छोटू राम) सहित कई किसान संगठन हिस्सा ले रहे हैं। आंदोलनकारी किसानों का कहना है कि यह तीन दिवसीय आंदोलन शनिवार को समाप्त होगा। उनकी मांगों में उत्तर भारत में बाढ़ से प्रभावित किसानों के लिए वित्तीय पैकेज, सभी फसलों पर एमएसपी के लिए कानूनी गारंटी और किसानों की कर्ज माफी सहित अन्य मांगें शामिल हैं। किसान, उत्तर भारतीय राज्यों के लिए 50 हजार करोड़ रुपए के बाढ़ राहत पैकेज और स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट की सिफारिशों के मुताबिक एमएसपी की मांग कर रहे हैं। इसके अलावा आंदोलनकारी, किसानों व मजदूरों का पूरा कर्ज माफ करने की भी मांग कर रहे हैं। उन्होंने तीन कृषि कानूनों (जिन्हें अब निरस्त कर दिया गया है) के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान जिन किसानों की मौत हुई उनमें से प्रत्येक के परिवार को 10 लाख रुपए और एक सरकारी नौकरी दिए जाने की मांग भी रखी है।

ई-गेमिंग के लिए जीएसटी कानून के संशोधित प्रावधान आज से होंगे लागू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार देर रात ई-गेमिंग, कैसिनो और घुड़सवारी के लिए जीएसटी कानून के संशोधित प्रावधानों के क्रियान्वयन के लिए एक अक्टूबर की तारीख अधिसूचित की है।

केंद्रीय जीएसटी अधिनियम में संशोधनों के अनुसार ई-गेमिंग, कैसिनो और घुड़सवारी को लॉटरी, सट्टेबाजी तथा जुए की तरह 'कार्रवाई योग्य दावों' के रूप में देखा जाएगा और 28 प्रतिशत जीएसटी (माल एवं सेवा कर) लगेगा। हालांकि, ई-गेमिंग कंपनियों ने कहा कि चूंकि कई राज्यों ने अभी तक अपने संबंधित राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) कानूनों में संशोधन पारित नहीं किया है तो सीजीएसटी और आईजीएसटी कानूनों में केंद्र सरकार की यह अधिसूचना भ्रम पैदा करेगी। केंद्रीय जीएसटी अधिनियम में बदलाव के अनुसार, ऑनलाइन गेमिंग, कैसीनो और घुड़दौड़ को लॉटरी, सट्टेबाजी और जुए के समान 'कार्रवाई योग्य दावों' के रूप में माना जाएगा और दांव के पूर्ण अंकित मूल्य पर 28 प्रतिशत जीएसटी के अधीन होगा।

एकीकृत जीएसटी कानून में संशोधनों के अनुसार विदेशी ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म के लिए भारत में पंजीकरण कराना और घरेलू कानून के अनुसार कर भुगतान करना अनिवार्य होगा। एकीकृत जीएसटी (आईजीएसटी) अधिनियम में संशोधन से ऑफशोर ऑनलाइन गेमिंग मंचों के लिए भारत में पंजीकरण कराना और घरेलू कानून के अनुसार 28 प्रतिशत कर का भुगतान करना अनिवार्य हो गया है। केंद्र और राज्यों के वित्त मंत्रियों वाली जीएसटी परिषद ने जुलाई और अगस्त में अपनी बैठकों में ऑनलाइन गेमिंग, कैसीनो और घुड़दौड़ को कर योग्य कार्रवाई योग्य दावों के रूप में शामिल करने के लिए कानून में संशोधन को मंजूरी दी थी, और स्पष्ट किया था कि ऐसी आपूर्ति पर पूर्ण दांव मूल्य पर 28 प्रतिशत कर लगेगा।

महाराष्ट्र सरकार आरक्षण प्रदान करते समय ओबीसी-मराठा टकराव पैदा नहीं होने देगी : फडणवीस

चंद्रपुर (महाराष्ट्र)/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि राज्य सरकार आरक्षण प्रदान करते समय ऐसा कोई रुख नहीं अपनाएगी जिससे अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और मराठा समुदाय के बीच टकराव पैदा हो। फडणवीस ने चंद्रपुर पहुंचकर ओबीसी समुदाय के उन सदस्यों से बातचीत की, जो आरक्षण उद्देश्यों के लिए मराठों को ओबीसी खंड में शामिल नहीं करने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। उपमुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय ओबीसी महासंघ की छात्र शाखा के प्रमुख रवींद्र टोंगे से मुलाकात की। वह पिछले 19 दिन से भूख हड़ताल कर रहे हैं। फडणवीस द्वारा कलेक्टरेट के सामने जूस की पेशकश करने के बाद टोंगे ने अपना धरना समाप्त कर दिया।

महाराष्ट्र : मुंबई के गिरगांव में इमारत में लगी आग, 27 लोगों को बचाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। दक्षिण मुंबई के गिरगांव में शनिवार को एक बहुमंजिला इमारत में आग लग गई जिससे 27 लोगों को बचाया गया है। नगर निकाय के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि आग अपराह्न दो बजकर करीब 25 मिनट पर लगी और 15 मिनट के भीतर ही यानी दो बजकर करीब 40 मिनट पर आग बुझा ली गई। उन्होंने बताया कि इस घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। अधिकारी ने बताया, सिक्का नगर स्थित 14 मंजिला इमारत में पहले तल पर बिजली के तारों को ले जाने वाली नाली में आग लगी जिसकी वजह से पूरी इमारत में घना धुंआ भर गया लेकिन हम इमारत में रह रहे 27 लोगों को सुरक्षित निकालने में सफल रहे। बचाए गए लोगों में 17 महिलाएं, पांच पुरुष और पांच बच्चे शामिल हैं। उन्होंने बताया कि आग नाली में मौजूद बिजली के तार और अन्य उपकरणों तक सीमित रही और छत का दरवाजा खोलने के बाद इमारत के विभिन्न तलों पर रह रहे लोगों को बचाया गया।

स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए मौके तैयार करने को निवेश पर जोर: धामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी अपनी पांच दिवसीय ब्रिटेन यात्रा से शनिवार को यहां लौटे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि राज्य में निवेश पर जोर देने से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए मौके तैयार होंगे।

उन्होंने कहा, हमने यात्रा के दौरान अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के साथ 12,500 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। बड़ी संख्या में निवेशक राज्य में निवेश करने के इच्छुक हैं। उनमें से कई दिसंबर में आयोजित होने वाले वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन में भाग लेने आ रहे हैं।

कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज, सुबोध उनियाल, गणेश जोशी, रेखा आर्य और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। धामी 25 सितंबर को अपने ब्रिटेन दौरे के लिए रवाना हुए थे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ब्रिटेन दौरे के दौरान लंदन और बर्मिंघम में निवेश आकर्षित करने के लिए आयोजित किए गए रोड शो में हिस्सा लिया और निवेशकों से चर्चा की।

उन्होंने बताया कि निवेश में रुचि दिखाने वालों में अप्रवासी उत्तराखंडी भी हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में पहले से ही निवेश कर चुके औद्योगिक समूहों ने भी अपने विस्तार में रुचि दिखाई है।

केरल में भारी बारिश जारी, मौसम विभाग ने 13 जिलों में जारी किया 'येलो अलर्ट'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के कई हिस्सों में शनिवार को भारी बारिश हो रही है, जिससे शनिवार को सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कोट्टयम को छोड़कर राज्य के 13 से 14 जिलों में 'येलो अलर्ट' जारी किया है। 'येलो अलर्ट' में छह से 11 सेंटीमीटर के बीच भारी बारिश की संभावना जताई गई है।

कई स्थानों से पेड़ गिरने, जलभराव और दीवारें ढहने की खबरें आई हैं, लेकिन राज्य में कहीं भी किसी प्रकार के बड़े हादसे की सूचना नहीं है। राज्य में बीते दो दिनों से बारिश जारी है। भारी बारिश की वजह से अलप्पुझा जिले के कुट्टनाद क्षेत्र के एदथुआ में सैकड़ों एकड़ धान की फसल खराब हो गई। जिला अधिकारियों ने यहां बताया कि बढ़ते जलस्तर के मद्देनजर राज्य की राजधानी के समीप अरुविक्कारा बांध का शटर 160 सेंटीमीटर तक उठा दिए गए हैं। आने वाले घंटों में बारिश के तेज होने की संभावना को ध्यान में रखते हुए राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने ऊंचे इलाकों में रहने वाले लोगों से अधिक सतर्क रहने का आग्रह किया और मछुआरों को समुद्र में नहीं जाने के निर्देश दिए हैं।

भलस्वा लैंडफिल साइट पर मई 2024 तक 45 लाख टन कचरा कम होने की उम्मीद: केजरीवाल

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शनिवार को भलस्वा लैंडफिल साइट (कचरा फेंकने का स्थल) पहुंचे और कहा कि अगले साल मई तक यहां से लगभग 45 लाख टन कचरा संसाधित व कम होने की उम्मीद है। पत्रकारों से बातचीत करते हुए, केजरीवाल ने कहा कि 45 लाख टन कचरा कम होने पर 35 एकड़ भूमि खाली होगी, जिसका कई तरीकों से दोबारा उपयोग किया जा सकता है। दिल्ली में तीन लैंडफिल साइट हैं जिनमें ओखला, भलस्वा और गाजीपुर शामिल हैं। केजरीवाल ने कहा कि भलस्वा लैंडफिल साइट पर 60-65 लाख टन कचरा है, जो लगभग 72 एकड़ क्षेत्र में फैला है। उन्होंने कहा कि पुराने कचरे के अलावा, प्रतिदिन 2,000 टन नया कचरा जमा हो रहा है। उन्होंने कहा, आज तक का लक्ष्य (इसमें से) 14 लाख टन कचरा कम करना था, लेकिन तेजी से काम करते हुए लक्ष्य पार कर लिया है और 18 लाख टन कचरा कम हो चुका है।

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुक्खू ने 3,500 करोड़ रुपए के आपदा राहत पैकेज की घोषणा की

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सात जुलाई से 30 सितंबर की अवधि के दौरान राज्य में बारिश से संबंधित आपदाओं से प्रभावित लोगों के लिए 3,500 करोड़ रुपए के विशेष पैकेज की शनिवार को घोषणा की। उन्होंने मिट्टी के कटाव या पानी को रोकने के लिए दीवारों के निर्माण को लेकर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) योजना के तहत 1,000 करोड़ रुपए के आवंटन की भी घोषणा की। सुक्खू ने कहा कि विशेष पैकेज से सहायता उन सभी प्रभावित लोगों को दी जाएगी, जिनके घर, किसी अन्य प्रकार की भूमि, कृषि या फसल को नुकसान हुआ है। इस तरह की सहायता प्रदान करने में आय की सीमा का प्रावधान नहीं होगा।

मध्य प्रदेश के बैतूल में वायुसेना के दो कर्मचारियों की झरने में डूबने से मौत

बैतूल/भाषा। मध्य प्रदेश के बैतूल जिले में पिकनिक के दौरान भारतीय वायुसेना के दो कर्मचारियों की झरने में डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना तब हुई, जब वायुसेना के नौ कर्मचारियों का एक समूह शुक्रवार को बैतूल जिला मुख्यालय से लगभग 35 किलोमीटर दूर धनोरा पारसदोह में पिकनिक मनाने गया था। पुलिस के अनुविभागीय अधिकारी (एसडीओपी) भूपेंद्र सिंह मौर्य ने बताया कि वायुसेना के आमला स्टेशन के कर्मचारी धनोरा पारसडोह में पिकनिक पर थे, तभी उनमें से दो झरने में नहाते समय डूब गए। वायुसैनिक विष्णु दत्त (20) और योगेंद्र धाकड़ (20) झरने में लापता हो गए। अलर्ट मिलने के बाद बचावकर्मी मौके पर पहुंचे और शनिवार सुबह दोनों के शव निकाले।

सत्ता में आने पर देश में ओबीसी की सही संख्या जानने के लिए जाति जनगणना कराएंगे: राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि यदि उनकी पार्टी केंद्र की सत्ता में आई तो वह देश में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लोगों की सही संख्या जानने के लिए जाति आधारित जनगणना कराएगी।

गांधी ने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के निर्वाचित प्रतिनिधियों के बजाय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और केंद्र सरकार के अधिकारी देश के कानून बना रहे हैं। मध्य प्रदेश के शाजापुर जिले के कालापीपल विधानसभा क्षेत्र में एक जनसभा को संबोधित करते हुए गांधी ने राज्य को भ्रष्टाचार का केंद्र बताया और दावा किया कि भाजपा शासन के तहत पिछले 18 वर्षों में 18,000 किसानों ने आत्महत्या कर ली।

मध्य प्रदेश में साल के अंत में विधानसभा चुनाव निर्धारित हैं। उन्होंने कहा, सत्ता में आने के तुरंत बाद, हम सबसे पहला काम देश में ओबीसी की सही संख्या जानने के लिए जाति-आधारित जनगणना कराएंगे, क्योंकि कोई भी उनकी सही संख्या नहीं जानता है। कांग्रेस नेता गांधी ने दावा किया कि देश को कैबिनेट सचिव और सचिवों सहित केवल 90 अधिकारी चला रहे हैं, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसदों और विधायकों की देश में नीतियां और कानून बनाने में कोई भूमिका नहीं है।

उन्होंने कहा, भाजपा के निर्वाचित सदस्यों के बजाय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सदस्य और नौकरशाह कानून बना रहे हैं..आरएसएस ने लोगों का ध्यान मूल मुद्दों से हटाने का काम सरकार को दे दिया है।

'सेना 'बंधुआ मजदूरी' के आरोपों की जांच करे'

श्रीनगर/भाषा। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने शनिवार को सेना से जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में उसकी कुछ इकाइयों द्वारा स्थानीय युवाओं का 'बंधुआ मजदूरी' के जरिये उत्पीड़न करने के आरोपों की जांच कराने का आग्रह किया। रक्षा प्रवक्ता ने हालांकि, पीडीपी अध्यक्ष के आरोपों का खंडन किया है।

मुफ्ती ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्वीटर) पर पोस्ट किया, कुलगाम के कंसलो कंडा इलाके के निवासियों से आपात फोन कॉल आए हैं जिसमें 9आरआर (राष्ट्रीय राइफल) शिविर में तैनात जवानों द्वारा कथित तौर पर उत्पीड़न करने की जानकारी दी गई है। इस बात से चिंतित है कि युवकों को सेना के शिविर में बुलाया जा रहा है और उन्हें मुफ्त में काम करने के लिए मजबूर किया जा रहा है।

इस वर्ष मानसून का मौसम समाप्त, सामान्य' बारिश दर्ज की गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। इस वर्ष मानसून का मौसम समाप्त हो गया है और चार महीने के इस मौसम में भारत में 'सामान्य' बारिश हुई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। विभाग ने बताया कि लंबे समय तक बारिश का औसत 868.6 मिलीमीटर (मिमी) रहा है लेकिन इस बार यह आंकड़ा 820 मिमी का रहा। विभाग ने बताया कि सकारात्मक कारकों के बावजूद, अल नीनो देश में मानसून की बारिश को बहुत अधिक प्रभावित नहीं कर सका। लंबी अवधि के औसत (एलपीए) के 94 प्रतिशत से 106 प्रतिशत के बीच बारिश को सामान्य माना जाता है।

भारतीय मानसून विभिन्न प्राकृतिक कारकों के कारण समय के साथ होने वाले अंतर्निहित उतार-चढ़ाव और बदलावों को संदर्भित करता है। आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने कहा कि अल नीनो के प्रभाव का मुकाबला करने वाले सकारात्मक कारकों के साथ, 2023 का मानसून 94.4 प्रतिशत बारिश दर्ज करने के साथ समाप्त हुआ, जिसे सामान्य माना जाता है। उन्होंने शनिवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उप-विभागीय क्षेत्र के 73 प्रतिशत हिस्से में सामान्य वर्षा दर्ज की गई, जबकि 18 प्रतिशत में कम बारिश देखी गई।

मौसम विभाग ने कहा कि पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत में सामान्य 1,367.3 मिमी की तुलना में 1,115 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो 18 प्रतिशत कम है। उसने कहा कि उत्तर पश्चिम भारत में लंबी अवधि के औसत 587.6 मिमी के मुकाबले 593 मिमी बारिश दर्ज की गई। मध्य भारत में सामान्य बारिश 978 मिमी के मुकाबले 981.7 मिमी दर्ज की गई। मौसम विभाग ने कहा कि दक्षिण प्रायद्वीप में आठ प्रतिशत की कमी दर्ज की गई।

उसने कहा कि विभाग ने भारत के लिए सामान्य मानसून का अनुमान जताया था, भले ही यह सामान्य से कम हो। इसने हालांकि आगाह किया था कि अल नीनो - दक्षिण अमेरिका के पास प्रशांत महासागर में पानी का गर्म होना - दक्षिण पश्चिम मानसून के उत्तरार्ध को प्रभावित कर सकता है।

अल नीनो की स्थिति भारत में कमजोर मानसूनी हवाओं और शुष्क परिस्थितियों से जुड़ी है।

अगस्त 2023, 1901 के बाद से सबसे शुष्क महीना और भारत में अब तक का सबसे गर्म महीना दर्ज किया गया था, जिसका कारण अल नीनो की स्थिति को मजबूत करना है। कई निम्न दबाव प्रणालियों और 'मैडेन-जूलियन ऑसीलेशन (एमजेओ) के सकारात्मक चरण के कारण सितंबर में अधिक बारिश हुई थी।

चिदंबरम ने चुनावी बॉन्ड को 'वैध रिश्वत' बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने शनिवार को चुनावी बॉन्ड को वैध रिश्वत बताया और दावा किया कि चूंकि, चार अक्टूबर को इनकी नई किस्त जारी होगी, तो यह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए एक सुनहरी फसल होगी। सरकार ने शुक्रवार को चुनावी बॉन्ड की 28वीं किस्त जारी करने की मंजूरी दे दी। यह चार अक्टूबर से 10 दिनों तक बिक्री के लिए उपलब्ध रहेगा। यह फैसला राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में इस साल प्रस्तावित विधानसभा चुनावों के मद्देनजर लिया गया है। इन राज्यों में चुनाव की तारीखों की जल्द ही घोषणा हो सकती है।

चिदंबरम ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्वीटर) पर कहा कि चुनावी बॉन्ड की 28वीं किस्त चार अक्टूबर से शुरू होगी। उन्होंने कहा, यह भाजपा के लिए सुनहरी फसल होगी। पिछले रिकॉर्ड पर गौर करें, तो तथाकथित गुप्त दान का 90 फीसदी हिस्सा भाजपा के खाते में जाएगा।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, करीबी पूंजीपति दिल्ली में अपने स्वामी को 'चढ़ावा' चढ़ाने के लिए अपनी चेकबुक खोलेंगे। चिदंबरम ने कहा कि चुनावी बॉन्ड वैध रिश्वत होते हैं।

राजनीतिक दलों को दिए जाने वाले चंदे में पारदर्शिता लाने के प्रयासों के तहत चुनावी बॉन्ड की व्यवस्था लाई गई थी। चुनावी बॉन्ड की पहली किस्त की बिक्री मार्च 2018 में हुई थी। चुनावी बॉन्ड जारी करने के लिए सिर्फ भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ही अधिकृत बैंक है।

चुनावी बॉन्ड को भारतीय नागरिक या देश में गठित या स्थापित कंपनियां खरीद सकती हैं। पिछले लोकसभा या विधानसभा चुनाव में कम-से-कम एक प्रतिशत मत पाने वाले राजनीतिक दल चुनावी बॉन्ड के जरिये चंदा हासिल कर सकते हैं।

सीबीएफसी भ्रष्टाचार के आरोपों के बाद जांच का आदेश देने के लिए सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को धन्यवाद : तमिल अभिनेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/मुम्बई। अभिनेता विशाल ने शनिवार को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) के मुंबई कार्यालय के खिलाफ उनके भ्रष्टाचार के आरोपों की तत्काल जांच का आदेश देने के लिए सूचना और प्रसारण मंत्रालय का आभार व्यक्त किया। विशाल ने आरोप लगाया था कि उनकी फिल्म मार्क एंटनी के हिंदी संस्करण की स्क्रीनिंग और प्रमाणन के लिए सीबीएफसी के मुंबई कार्यालय को 6.5 लाख रुपये का भुगतान करना पड़ा था।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से सीबीएफसी के मुंबई कार्यालय में हुए घोटाले की जांच करने की भी अपील की। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर शनिवार को लिखा, मैं मुंबई स्थित सीबीएफसी में भ्रष्टाचार के मुद्दे से संबंधित इस महत्वपूर्ण मामले पर तत्काल कदम उठाने के लिए सूचना और प्रसारण मंत्रालय को धन्यवाद देता हूं। आवश्यक कार्रवाई के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं उम्मीद करता हूं कि यह हर सरकारी अधिकारी के लिए उदाहरण होगा जो ऐसा करने का इरादा रखता है।

उन्होंने आगे लिखा, 'मैं एक बार फिर अपने प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और इस पहल को शुरू करने में शामिल सभी लोगों को धन्यवाद देता हूं। यह मेरे जैसे आम आदमी और अन्य लोगों के लिए संतुष्टि की भावना लाता है कि भष्ट्राचार से पीड़ित लोगों को न्याय मिलेगा।' सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि मामले की जांच के लिए एक वरिष्ठ अधिकारी को मुंबई में तैनात किया गया है।

अधिक रविचंद्रन द्वारा निर्देशित अभिनेता विशाल की फिल्म 'मार्क एंटनी' बृहस्पतिवार को हिंदी में रिलीज हुई। फिल्म में एस जे सूर्या, रितु वर्मा, सुनील, सेल्वाराघवन और अभिनय भी हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर चाहते हैं कि सीबीएफसी जरूरी मामलों में फिल्मों के तेजी से प्रमाणीकरण के लिए एक पारदर्शी तंत्र बनाने में तेजी लाए और निगरानी उपायों को और मजबूत करे। मंत्री ने 16 अक्टूबर तक मामले में कार्रवाई रिपोर्ट मांगी है।

कुमारस्वामी ने जद(एस) की धर्मनिरपेक्ष साख पर सवाल उठाने के लिए सिद्दरामैया पर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जनता दल-एस (जद-एस) के नेता एचडी कुमारस्वामी ने भाजपा से गठबंधन के बाद उनकी पार्टी की धर्मनिरपेक्ष साख पर सवाल उठाने के लिए शनिवार को मुख्यमंत्री सिद्दरामैया की आलोचना की। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जद (एस) ने गठबंधन किया है।

जद(एस) के दूसरे नंबर के नेता कुमारस्वामी ने सिद्दरामैया पर कटाक्ष करते हुए यह जानना चाहा कि उनकी पार्टी कांग्रेस ने महाराष्ट्र में शिवसेना के साथ गठबंधन कैसे किया जो कभी भाजपा की सहयोगी थी।

'एक्स' पर पोस्ट के जरिये दिये गये संदेश में कुमारस्वामी ने कहा, जातिगत बैठकें आयोजित करना और 'धर्मनिरपेक्षता' के नाम पर कुकर तथा लोहे के बक्से वितरित करना कितना धर्मनिरपेक्ष है? अल्पसंख्यकों और पिछड़े समुदायों का नेता होने का दावा करने के लिए धर्मों का सम्मेलन करना और एक जाति की बैठक आयोजित करना क्या धर्मनिरपेक्ष है? मुझे बताएं श्री सिद्दरामैया?'' पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि सिद्दरामैया एक छद्म समाजवादी हैं जो राजनीतिक लाभ के लिए भाजपा को सांप्रदायिकतावादी बताने के लिए समाजवाद शब्द का उपयोग करते हैं।

कुमारस्वामी ने विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के नेताओं का जिक्र करने के साथ आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा, आपकी समायोजन राजनीति विश्व प्रसिद्ध है। क्या कांग्रेस पार्टी धर्मनिरपेक्ष है जिसने 'इंडिया' में भजपा के बी टीम के सदस्यों के साथ गठबंधन किया है? स्टालिन, ममता बनर्जी, फारूक अब्दुल्ला, नीतीश कुमार, हेमंत सोरेन, वाइको, महबूबा मुफ्ती, शिव सेना के उद्धव ठाकरे। क्या आपको उनके बगल में बैठने में शर्म नहीं आती?

इसके पहले सिद्दरामैया ने कहा था कि, 'धर्मनिरपेक्ष होने का दावा करने वाली जद(एस) क्या एक सांप्रदायिक पार्टी से गठबंधन करने के बाद धर्मनिरपेक्ष बनी रहेगी?हमें भाजपा या किसी अन्य पार्टी के साथ जद (एस) के गठबंधन से कोई समस्या नहीं है। क्या गठबंधन जद(एस) को सांप्रदायिक बना देगा? या क्या भाजपा एक धर्मनिरपेक्ष विचारधारा का अनुसरण करती है? कुमारस्वामी राज्य के लोगों के समक्ष इसे स्पष्ट करें।'

डेल की बेंगलूरु में निवेश करने की योजना, कर्नाटक सरकार से मांगा सहयोग

बेंगलूरु। प्रौद्योगिकी कंपनी डेल कर्नाटक में अपनी उपस्थिति को और मजबूत करने के लिए बेंगलूरु में अपने अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) केंद्र में नए निवेश पर विचार कर रहा है। कर्नाटक के बड़े और मध्यम उद्योग तथा बुनियादी ढांचा मंत्री एम बी पाटिल के कार्यालय ने यह जानकारी दी। कंपनी पहले से ही बेंगलूरु में एक प्रमुख आरएंडडी केंद्र संचालित कर रही है। वैश्विक स्तर पर डेल लगभग 25 विनिर्माण इकाइयों का संचालन करती है, जिनमें से 14 इकाइयां पूरी तरह से आरएंडडी के लिए हैं।

मंत्री के कार्यालय ने बयान में कहा कि डेल के वरिष्ठ अधिकारियों ने अमेरिका के ऑस्टिन में पाटिल के साथ बैठक की और विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) के परिचालन पर लगाए गए प्रतिबंधों से बचने के लिए प्रदेश सरकार से सहयोग मांगा। पाटिल की अगुआई में व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल राज्य में निवेश आकर्षित करने के लिए अमेरिका के विभिन्न राज्यों का दौरा कर रहा है। बयान के अनुसार, प्रतिनिधिमंडल ने अग्रणी सेमीकंडक्टर विनिर्माण कंपनी ग्लोबल फाउंड्रीज (जीएफ) के वरिष्ठ अधिकारियों से भी मुलाकात की। कंपनी ने 200 कुशल श्रमिकों को शामिल करके बेंगलूरु में अपने कार्यबल को बढ़ाने की इच्छा जताई।

एमएस स्वामीनाथन का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया

प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक स्वामीनाथन का पुलिस सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/वार्ता। प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक प्रोफेसर एम.एस.स्वामीनाथन के पार्थिव शरीर का शनिवार को पुलिस सम्मान के साथ यहां अंतिम संस्कार किया गया।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन ने घोषणा किया था कि भारत की 'हरित क्रांति के जनक' प्रोफेसर स्वामीनाथन का अंतिम संस्कार उनके योगदान को सम्मान देने के लिए पुलिस सम्मान के साथ किया जाएगा। इससे पहले, तमिलनाडु के राज्यपाल आर. एन. रवि एम एस स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन (एमएसएसआरएफ) परिसर, जहां उनके पार्थिव शरीर को सार्वजनिक श्रद्धांजलि के लिए रखा गया था, गए और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। राज्यपाल ने एमएसएसआरएफ में प्रोफेसर स्वामीनाथन को पुष्पमाला चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने प्रोफेसर स्वामीनाथन के परिवार के सदस्यों से भी मुलाकात की और उन्हें सांत्वना दी। अन्नाद्रमुक के महासचिव और विपक्ष के नेता ई के पलानीस्वामी ने भी एमएसएसआरएफ परिसर जाकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की।

भारतीय कम्युलिस्ट पार्टी के महासचिव डी. राजा, केरल के बिजली मंत्री के. कृष्णनकुट्टी, मवेलिकारा के सांसद कोडिकुन्निल सुरेश, पीएमके नेता जीके मणि, माकपा के राज्य सचिव जी. बालाकृष्णन ने भी प्रोफेसर स्वामीनाथन के पार्थिव शरीर को श्रद्धांजलि अर्पित की।

एमएसएसआरएफ परिसर में कल और आज बड़ी संख्या में लोगों ने प्रोफेसर स्वामीनाथन को अंतिम श्रद्धांजलि दी।

इससे पहले, प्रोफेसर स्वामीनाथन के पार्थिव शरीर को एमएसएसआरएफ के कर्मचारियों और अन्य लोगों के साथ एक विशेष वाहन में बसंत नगर श्मशान ले जाया गया, जहां उनके परिवार के सदस्यों और अन्य लोगों की उपस्थिति में पुलिस सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार से पहले ग्रेटर चेन्नई सिटी पुलिस की आर्म्ड रिजर्व इकाई की एक पुलिस टीम ने एक मिनट का मौन रखा और प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक के सम्मान में बिगुल बजाकर बंदूक की सलामी दी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति जगदीश धनखड़, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, सांसद राहुल गांधी, तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन.रवि, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं, विभिन्न राज्यों के राज्यपालों और मुख्यमंत्रियों तथा वैज्ञानिक समुदाय के लोगों ने प्रोफेसर स्वामीनाथन के निधन पर शोक व्यक्त किया एवं देश में कृषि क्षेत्र के विकास में उनके योगदान को याद किया।

तेलंगाना के मंत्री ने की डॉ. स्वामीनाथन को भारत रत्न पुरस्कार देने की वकालत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/वार्ता। तेलंगाना के कृषि मंत्री सिंगीरेड्डी निरंजन रेड्डी ने शनिवार को कहा कि प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक डॉ. स्वामीनाथन भारत रत्न पुरस्कार के हकदार हैं।

कृषि सचिव रघुनंदन राव और सीडीसी एमडी केसवुलु के साथ श्री रेड्डी आज तमिलनाडु के चेन्नई के तारामणि में प्रख्यात कृषक डॉ. स्वामीनाथन के अंतिम संस्कार में शामिल हुए और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्री निरंजन रेड्डी ने इस मौके पर मीडिया से कहा कि डॉ. स्वामीनाथन को भारत रत्न पुरस्कार से सम्मानित करने में देरी खेदजनक है। उन्होंने डॉ. स्वामीनाथन के असाधारण गुणों की सराहना करते हुए कहा कि उनकी क्षमता के व्यक्ति दुर्लभ हैं, और विश्व विख्यात प्रसिद्ध वैज्ञानिक का निधन बहुत दुखद है।

डॉ. स्वामीनाथन की उल्लेखनीय यात्रा को याद करते हुए श्री रेड्डी ने कहा कि उन्होंने चिकित्सा पृष्ठभूमि से कृषि शिक्षा और अनुसंधान की ओर कदम बढ़ाया और अंततः दुनिया भर में पहचान हासिल की।

उन्होंने डॉ. स्वामीनाथन को खाद्यान्न अनुसंधान को आगे बढ़ाकर भूख मिटाने के लिए प्रतिबद्ध वैज्ञानिक योद्धा बताया और कहा कि वह उन कुछ असाधारण वैज्ञानिकों में से एक थे जिन्होंने पिछली शताब्दी में दुनिया पर एक अमिट छाप छोड़ी है।

श्री रेड्डी ने डॉ. स्वामीनाथन की अध्यक्षता वाले आयोग पर भी प्रकाश डाला, जिसने किसानों के लिए उचित मूल्य निर्धारण की सिफारिश की थी।उन्होंने निराशा व्यक्त की कि कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी दोनों सरकारें इन सिफारिशों को लागू करने में विफल रहीं, जिससे कृषक समुदाय के साथ अन्याय हुआ।

उन्होंने विश्व खाद्य पुरस्कार के प्रथम विजेता डॉ. स्वामीनाथन की कृषि में भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा को बढ़ाने में उनके महत्वपूर्ण योगदान पर भी प्रकाश डाला।

श्री रेड्डी ने तेलंगाना के किसानों, लोगों और सरकार की ओर से डॉ. स्वामीनाथन को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा, मुझे इस दुर्भाग्यपूर्ण तथ्य पर खेद है कि डॉ. स्वामीनाथन की कई सिफारिशें लागू नहीं हो सकीं।

सुप्रसिद्ध प्रकाशक सुरेश शाह पर चार पुस्तकों का विमोचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शनिवार को बेंगलूरु के एक पंचतारा होटल में सपना बुक हाउस एवं सपना परिवार द्वारा आयोजित एक समारोह में सपना बुक हाउस के संस्थापक ग्रंथपुरुष, सुप्रसिद्ध प्रकाशक स्व. सुरेश सी शाह पर अंग्रेजी और कन्नड़ भाषा में प्रकाशित चार पुस्तकों का विमोचन किया गया। विमोचन करने में साहित्यकार हम्पा नागराजेय्या, सांसद तेजस्वी सूर्या, पूर्व कुलपति एमजी वेंकटेश, राजेश एक्सपोर्ट के चेयरमैन राजेश मेहता, मैन ऑफ दि मिरर पुस्तक की लेखिका निर्मला गोविन्दराज, सपना बुक हाउस के नितिन भाई एवं सपना परिवार के सभी सदस्य उपस्थित थे।

गौरतलब है कि आज सपना बुक हाउस कन्नड़ पुस्तकों के लिए ही नहीं, अन्य सभी भाषाओं और विषयों की पुस्तकों का एक बड़ा केंद्र है जहां विस्तृत रेंज में सभी पुस्तकें उपलब्ध हैं। सुरेश शाह ने उस दौर में बेंगलूरु में पुस्तकों के एक बड़े शो रूम की कल्पना की, जब लोग इस बारे में सोचते तक नहीं थे। बेंगलूरु में सपना बुक हाउस ने अपना एक विशेष स्थान दर्ज कराया है। किसी व्यक्ति को किसी भी विषय पर कोई पुस्तक चाहिए तो जहन में केवल एक ही नाम आता है और वह है सपना बुक हाउस। अपनी सूझबूझ के साथ सुरेश भाई ने पुस्तकों की दुनिया में एक मील का पत्थर स्थापित किया। सुरेश भाई के पुत्रों ने इस विरासत को बहुत ही आधुनिक ढंग से आगे बढ़ाया है और अपने पिता की प्रतिष्ठा में चार चांद लगाए हैं।

कावेरी विवाद : कावेरी जल प्रबंधन बोर्ड, सुप्रीम कोर्ट के समक्ष समीक्षा याचिका दायर करेगा

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण और सुप्रीम कोर्ट के समक्ष एक समीक्षा याचिका दायर करेगी। राज्य सरकार का कहना है कि राज्य के पास पानी नहीं है, इसलिए वह इसे तमिलनाडु को नहीं दे सकता। मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीशों और राज्य के पूर्व महाधिवक्ता के साथ बैठक के बाद अपने गृह कार्यालय 'कृष्णा' में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा, ''उन्होंने जनता को उनके सहयोग के लिए और संगठनों को शांतिपूर्ण बंद सुनिश्चित करने के लिए बधाई दी।''उन्होंने उन अधिकारियों की भी सराहना की जिन्होंने कानून व्यवस्था को बेहतर बनाए रखा, ताकि राज्य में कहीं भी कोई अप्रिय घटना न हो।

मुख्यमंत्री ने बताया कि बैठक में शामिल हुए सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीशों और पूर्व महाधिवक्ता ने अपने अनुभव के आधार पर कुछ राय और सुझाव दिये हैं। उनके सुझावों पर विचार करके आगे निर्णय लिया जाएगा।उन्होंने कहा कि सरकार को विशेष रूप से राज्य की सिंचाई परियोजनाओं के संबंध में एक विशेषज्ञ सलाहकार समिति बनाने, डेटा संग्रह और सलाहकार कार्य करने का सुझाव दिया गया है। समिति को अंतरराज्यीय जल विवादों के बारे में सरकार को सलाह देनी चाहिए और कानूनी टीम को जानकारी प्रदान करनी चाहिए। तमिलनाडु को 3,000 क्यूसेक पानी छोड़ने के संबंध में दोनों समितियों के समक्ष दलील दी गई कि कर्नाटक पानी नहीं छोड़ सकता क्योंकि उसके पास पानी नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने कावेरी बोर्ड और सुप्रीम कोर्ट के समक्ष समीक्षा याचिका दायर करने का भी सुझाव दिया है। राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट में मेकेदातु योजना के लिए अपनी मांग तेज करेगी और दलील देगी कि तमिलनाडु को इससे कोई समस्या नहीं होगी।मेकेदातु बैलेंसिंग जलाशय की भंडारण क्षमता 67 टीएमसी होगी, जिसका उपयोग बिजली और पीने के पानी के लिए किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि सलाह दी गई है कि जब भी कोई समस्या हो तो तमिलनाडु को पानी छोड़ा जा सकता है। एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया जायेगा। एक सवाल में उन्होंने कहा कि कोर्ट की अवमानना तभी होगी जब जानबूझकर आदेश की अवहेलना की जाएगी।

समान सोच वाले लोगों के साथ बैठक के बाद भविष्य के बारे में निर्णय लूंगा : जद (एस) नेता इब्राहिम

बेंगलूरु। पूर्व मुख्यमंत्री एच. डी. कुमारस्वामी के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ गठबंधन करने से संभवत: आहत हुए जनता दल (एस) की प्रदेश इकाई के प्रमुख सी. एम. इब्राहिम ने शनिवार को कहा कि वह 16 अक्टूबर को समान सोच वाले लोगों के साथ बैठक करने के बाद आगे की रणनीति पर कोई निर्णय लेंगे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सहित अन्य नेताओं ने उनसे बात की है। पूर्व केंद्रीय मंत्री इब्राहिम ने संवाददाताओं से कहा, मुझे 16 अक्टूबर तक मौका दीजिए। प्रत्येक व्यक्ति की राय लेने के बाद मैं आप सबके समक्ष आऊंगा।

उन्होंने कहा, 'देवेगौड़ा मेरे पिता समान हैं और कुमारस्वामी मेरे भाई जैसे हैं। यहां तक कि आज भी उनसे मेरा जुड़ाव है। लेकिन मुझे इस चीज ने आहत किया कि मैं पार्टी (का प्रदेश) प्रमुख हूं...आप (कुमारस्वामी) दिल्ली गए, लेकिन मुझसे एक शब्द भी नहीं कहा। आपने मुझसे नहीं कहा कि क्या चर्चा हुई। इसलिए, इस पर प्रतिक्रिया देने का कोई मतलब नहीं है।'

इब्राहिम ने कहा कि कोई निर्णय लेने से पहले वह 16 अक्टूबर को लोगों के विचार लेंगे। उन्होंने दावा किया कि जद(एस) के (भाजपा के साथ) गठजोड़ करने का फैसला कोर कमेटी के अपनी राय देने से पहले किया गया था। उन्होंने कहा, आपने (जद-एस के प्रथम परिवार ने) कहा था कि कोर कमेटी पूरे राज्य का दौरा करेगी, विचार प्राप्त करेगी और तब कोई निर्णय लिया जाएगा। कोर कमेटी के अपना दौरा शुरू करने से पहले ही आप दिल्ली चले गए और उनसे (भाजपा नेताओं से) मुलाकात की। इसने मुझे आहत किया।

उनके समक्ष उपलब्ध विकल्पों के बारे में पूछे जाने पर इब्राहिम ने कहा कि वह 16 अक्टूबर को लोगों के साथ चर्चा करेंगे। यह पूछे जाने पर कि क्या अन्य दलों ने उनसे संपर्क किया है। उन्होंने इसका जवाब 'हां' में दिया। उन्होंने कहा, शरद पवार, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और कांग्रेस के कुछ नेताओं ने भी मुझसे संपर्क किया है। कांग्रेस में उनके शामिल होने की संभावनाओं के बारे में, इब्राहिम ने कहा कि उन्होंने (कांग्रेस नेताओं ने) उनसे बातचीत की और उन्होंने (इब्राहिम ने) 16 अक्टूबर को एक बैठक बुलाई है। इब्राहिम ने कहा कि वह पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा और उनके बेटे कुमारस्वामी को सूचित किये बगैर कोई निर्णय नहीं लेंगे।

ईद मिलाद-उन-नबी के जुलूस के दौरान बैनर फाड़ने के आरोप में तीन गिरफ्तार

विजयपुरा। कर्नाटक पुलिस ने शनिवार को विजयपुरा जिले में ईद मिलाद-उन-नबी के जुलूस के दौरान बैनर फाड़ने के मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान यासीन, मोहम्मद और सोहेल के रूप में हुई है। आरोपियों ने भाजपा के स्थानीय विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल की तस्वीर वाले बैनर को फाड़ दिया था। बैनर गणेश उत्सव की शुभकामनाएं देने के लिए लगाया गया था। बैनर में भगवान गणेश और शिवाजी महाराज की तस्वीरें भी थी।

बाद में बैनर फाड़ने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। विधायक यतनाल के समर्थक रघु ने इस संबंध में विजयपुरा के गांधी चौका पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। इस संबंध में भाजपा पार्टी के नेताओं ने उपायुक्त कार्यालय के पास आरोपी व्यक्तियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन भी किया था। उन्होंने दावा किया कि यह शहर में सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश है। प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि गणेश चतुर्थी किसी भी अप्रिय घटना की गुंजाइश दिए बिना मनाई गई और ईद के जश्न के दौरान युवाओं के समूह ने जानबूझकर हिंदू देवताओं की तस्वीरों वाले बैनर को फाड़ दिया और उनका अपमान किया। पुलिस आगे की जांच में जुट गई है।

जयपुर में बाइक की टक्कर, युवक की पिटाई से मौत के बाद तनाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर के रामगंज और आसपास के इलाकों में शनिवार को तब सांप्रदायिक तनाव पैदा हो गया जब दो मोटरसाइकिल के बीच टक्कर के बाद कुछ लोगों द्वारा कथित तौर पर पिटायी के कारण एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने शनिवार को बताया कि इलाके में अतिरिक्त बल तैनात करके हालात को काबू कर लिया गया है। शनिवार देर रात हुई इस घटना के सिलसिले में लगभग 12 संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। शहर के पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसेफ ने कहा कि यह हत्या 'रोडरेज' के कारण हुई गलतफहमी का नतीजा थी। उन्होंने कहा कि शनिवार देर रात सुभाष चौक पर दो बाइक टकरा गईं जिसके बाद वहां मौजूद कुछ लोगों ने गलतफहमी में उन दो लोगों की पिटाई कर दी, जो वहां माजरा देखने के लिए रुके थे।

उन्होंने संवाददाताओं से कहा, सुभाष चौक इलाके में दो बाइक की टक्कर के बाद 'रोडरेज' की दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटी, जिसमें माजरा देख रहे दो लोगों की वहां एकत्रित हुए कुछ लोगों ने पिटाई कर दी। उन्होंने कहा, ''दो व्यक्तियों में से एक की मृत्यु हो गई। एक प्राथमिकी दर्ज की गई है जिसके बाद हमने घटना में शामिल कई लोगों को हिरासत में लिया है। स्थिति अब सामान्य है और जल्द ही पूरी तरह शांति बहाल हो जाएगी।' जोसेफ ने कहा कि यह घटना गलतफहमी के कारण हुई। उन्होंने कहा कि मामले में शामिल अधिकतर संदिग्धों को हिरासत में लिया जा चुका है। पुलिस के एक अन्य अधिकारी ने बताया कि आरोपी बहुसंख्यक समुदाय से हैं और सुभाष चौक इलाके में रहते हैं जबकि मृतक रामगंज इलाके का रहने वाला था। पुलिस ने बताया कि दोनों इलाके जयपुर के परकोटे वाले इलाके के हैं।राजस्थान के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) उमेश मिश्रा ने कहा कि इलाके में हालात नियंत्रण में हैं और पर्याप्त संख्या में विशेष कार्य बल (एसटीएफ) सहित बल तैनात है। उन्होंने कहा, घटना में लिप्त लोगों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई होगी। डीजीपी ने कहा कि घटनास्थल पर वरिष्ठ अधिकारियों की तैनाती के अलावा ड्रोन से भी इलाके की निगरानी की जा रही है। पुलिस ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम शहर के सवाई मान सिंह सरकारी अस्पताल में कराया गया है। इस घटना के बाद मुस्लिम बहुल इलाकों में कई दुकानें बंद हो गईं और मृतक के परिवार के सदस्य और स्थानीय लोग दूसरे पक्ष के खिलाफ कार्रवाई की मांग करने के लिए वहां जमा हो गए। हालांकि पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपियों का पकड़ लिया और इलाके में बल की त्वरित तैनाती के बाद स्थिति को बिगड़ने नहीं दिया गया। पुलिस ने कहा, इलाके में स्थिति नियंत्रण में है।

प्रदेश में कानून व्यवस्था ठप, अराजकता का माहौल : सीपी जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने जयपुर शहर में दो युवकों की बाइक टकराने के बाद आपसी झगड़े में एक युवक की मौत हो गई, जिसके प्रति मेरी संवेदना है, किंतु इस झगड़े को सांप्रदायिक रंग देने का प्रयास गलत है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि पूरे प्रदेश में सरकार की कानून व्यवस्था तार तार हो चुकी है। अराजकता का माहौल है। अपराधियों में पुलिस का कोई डर नहीं है। इसी कारण अपराधों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। प्रदेश की जनता स्वयं को असुरक्षित अनुभव कर रही है। महिला दुष्कर्म और हत्या के मामले में प्रदेश पूरे देश में कलंकित हो चुका है। जयपुर शहर में घटी यह घटना भी प्रदेश कांग्रेस सरकार की नाकामियों का परिणाम है। जयपुर शहर में हुए इस हत्याकांड के बाद उपजा अराजकता का माहौल, लूटपाट की घटनाएं, इस घटना को सांप्रदायिक बनाने का प्रयास प्रदेश सरकार की बड़ी विफलता को दिखाता है।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने मृतक के परिजनों को 50 लाख की सहायता, एक डेयरी बूथ और संविदा पर नौकरी दी है। मेरा मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से प्रश्न है कि पिछले पौने पांच वर्षों में इस तरह की हजारों हत्याएं हुई हैं, किंतु सरकार के द्वारा उनको किसी भी प्रकार की कोई सहायता नहीं दी गई। 50 लाख छोड़िए छ5 की आर्थिक सहायता भी नहीं की गई। सरकार की ऐसी दोहरी मानसिकता क्यों ? क्या वे उन सभी मृतकों के पीड़ित परिजनों के आंसू पोंछ कर उन्हें भी किसी प्रकार का आर्थिक संबल प्रदान करेंगे ?

सड़क हादसे में दो भाइयों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के धौलपुर जिले में शनिवार तड़के एक सड़क हादसे में दो भाइयों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, यह हादसा बाड़ी सदर थाना क्षेत्र में मोटरसाइकिल के ट्रक से टकरा जाने और उसमें आग लग जाने के कारण हुआ। पुलिस ने बताया कि विजय और उसका भाई आकाश तड़के चार बजे गंगापुर सिटी जाने के लिए अपने घर से निकले थे।

उसने बताया कि आकाश बाइक समेत ट्रक के नीचे फंस गया, जिससे वाहन में आग लग गई। पुलिस के मुताबिक, हादसे में आकाश जलने से मौत हो गई, जबकि विजय ने सिर में गंभीर चोट लगने के कारण दम तोड़ दिया। पुलिस ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय अस्पताल के शवगृह में भेज दिया गया है।

कोटा जिले में सबकी योजना-सबका विकास अभियान चलाया जाएगा

कोटा। राजस्थान के कोटा जिले में ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग की ओर से जिला, ब्लॉक एवं ग्राम पंचायत स्तर पर विकास योजना के निर्माण के लिए दो अक्टूबर 2023 से 31 मार्च 2024 तक जन योजना अभियान 'सबकी योजना-सबका विकास' चलाया जाएगा। जिला कलक्टर ओ पी बुनकर ने बताया कि 2 अक्टूबर को आयोजित होने वाली ग्राम सभा में सतत विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण के 9 विषयों में से ग्राम पंचायतों द्वारा प्राथमिकता के आधार पर कम से कम एक एवं अधिकतम तीन विषयों को वर्तमान वित्तीय वर्ष एवं आगामी दो वर्षों के लिए समस्त ग्राम पंचायतों को संकल्प लेना सुनिश्चित करना है।

अभियान के दौरान लाइन विभागों के अभिसरण से ग्राम पंचायत विकास योजनाएं तैयार करने के लिए ग्राम सभा के बैठकें अक्टूबर-नवम्बर में आयोजित की जाएंगी जिसमें सभी विभागों से संबंधित अधिकारियों को ग्राम सभा में विभाग की प्रमुख योजनाओं तथा फ्लैगशिप योजनाओं के बारे में जानकारी साझा करनी है।

पांच वर्षों में राज्य की चार गुना गति से हुई प्रगति : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि झुंझुनूं जिला आजादी से ही शिक्षा एवं खेल के क्षेत्र में हमेशा से अग्रणी रहा है। यहां की प्रतिभाओं ने राष्ट्रीय स्तर पर कीर्तिमान स्थापित किए हैं। राज्य सरकार ने भी शेखावाटी क्षेत्र में बड़ी संख्या में शिक्षण और खेल संबंधी संस्थान खोले हैं। उन्होंने कहा कि ये क्षेत्र अपनी सांस्कृतिक और पुरातत्व धरोहर के लिए भी देशभर में अनूठी पहचान रखता है। यहां की हवेलियां व बिसाऊ की रामलीला देशभर में प्रसिद्ध हैं।

गहलोत शनिवार को झुंझुनूं के बिसाऊ में लगभग 150 करोड़ रुपए के विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने स्व. रामनारायण चौधरी का जिक्र करते हुए कहा कि वे जन भावना के अनुरूप क्षेत्र विकास में समर्पित रहे, उसी तरह स्थानीय विधायक कुमारी रीटा चौधरी ने भी क्षेत्र विकास में अहम योगदान दिया है। राज्य सरकार ने भी विकास में कोई कमी नहीं रखी। मंडावा क्षेत्र में 6 महाविद्यालय खोले है, जहां विद्यार्थी अपना भविष्य संवार रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा, चिकित्सा, स्वास्थ्य, सूचना प्रौद्योगिकी, महिला सशक्तिकरण, रोजगार, आर्थिक विकास, आधारभूत सरंचना विकास, सोलर ऊर्जा, अनाज उत्पादन सहित हर क्षेत्र में देश का मॉडल स्टेट बन गया है। उन्होंने कहा कि 11.04 जीडीपी विकास दर के साथ राजस्थान उत्तर भारत में प्रथम और देश में द्वितीय स्थान पर आ गया है। हमारे कुषल वित्तीय प्रबंधन से राज्य की अर्थव्यवस्था वित्तीय वर्ष के अंत तक 15 लाख करोड़ हो जाएगी, जिसे वर्ष 2030 तक 30 लाख करोड़ तक पहुंचाना हमारा लक्ष्य है।

गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार ने वर्ष 2030 तक राजस्थान को हर क्षेत्र में भारत का सिरमौर बनाने की दिशा में महत्वाकांक्षी 'राजस्थान मिशन-2030' की षुरूआत की है। अब तक 2.50 करोड़ से अधिक लोगों से सपनों के राजस्थान के लिए सलाह और सुझाव प्राप्त हो चुके हैं। इन्हीं के आधार पर 5 अक्टूबर, 2023 को 'विजन-2030 डॉक्यूमेंट' जारी किया जाएगा। इसमें सुझावों के जरिए प्रत्येक प्रदेशवासी की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि हमने 5 साल में 4 गुना गति से प्रगति की है। अब वर्ष 2030 तक प्रगति की गति को 10 गुना बढ़ाना हमारा लक्ष्य है।

गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार के स्वास्थ्य का अधिकार, राजस्थान न्यूनतम आय गारंटी, गिग वर्कर्स वेलफेयर एक्ट, मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना, किसानों की जमीन कुर्की से बचाने जैसे कानून, पुनः ओपीएस की षुरूआत, कामधेनु बीमा योजना, अनुप्रति कोचिंग योजना सहित विभिन्न नीतिगत फैसलों से हर वर्ग को राहत प्रदान की है।

कई राज्य सरकारें हमारा अनुसरण कर रही हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को भी राज्य सरकार की योजनाओं और फैसलों का अध्ययन करवाकर इन्हें पूरे देश में एक समान रूप से लागू करना चाहिए।

हृदय रोगों से बचाव और समय पर इलाज की उत्कृष्ट व्यवस्था सुनिश्चित हो : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने चिकित्सकों का आह्वान किया है कि वे भारत में हृदय रोगों से बचाव और समय पर इलाज की उत्कृष्ट व्यवस्था के लिए कार्य करें। उन्होंने तेजी से बढ़ते हृदय रोगों पर चिंता जताते हुए कहा कि हृदय रोगों से बचाव के लिए सभी के लिए सस्ता और सुलभ इलाज चिकित्सकों की प्राथमिकता होनी चाहिए। मिश्र शनिवार को एक होटल में 'नेशनल कार्डियोलॉजी कॉन्फ्रेन्सकार्डियक प्रिवेंट2023' के उद्घाटन समारोह में संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कोविड के विकट दौर के बाद कम उम्र में हृदय से संबंधित बीमारियों के बढ़ने और इससे होने वाली मौतों की चर्चा करते हुए कहा कि इस पर चिकित्सा विशेषज्ञों को ध्यान देकर शोधअनुसंधान के जरिए उपचार के नवीन तरीकों पर कार्य करने की जरूरत है। उन्होंने चिकित्सा विशेषज्ञों से आह्वान किया कि वे कोई ऐसा मॉडल विकसित करें जिसके तहत हृदय रोगों के होने से पहले ही बचाव के लिए प्रभावी कार्य देशभर में हो सके।

राज्यपाल ने सुझाव भी दिया कि केवल हृदय रोग विशेषज्ञ ही नहीं, सामान्य रोगों के चिकित्सकों को भी इस तरह से दक्षप्रशिक्षित किया जाना चाहिए कि वे हृदय रोगों के उपचार में सहायक बन सकें। उन्होंने कहा कि चिकित्सा व्यवसाय नहीं, सबसे पवित्र सेवा कार्य है। चिकित्सक को चाहिए कि वह कम से कम दवा और सस्ता सुलभ इलाज करते हुए अपने रोगियों को ठीक करने की दिशा में कार्य करें।

इससे पहले कॉन्फ्रेंस से जुड़े विभिन्न सत्रों और विषयों के बारे में डॉ. समीन शर्मा, डॉ. विजय हरिकिसन, डॉ. राजीव गुप्ता, डॉ. राजीव बगरहट्टा और डॉ. दीपक माहेश्वरी ने विस्तृत जानकारी दी।

राजस्थान में कोचिंग संस्थानों के लिए दिशा निर्देश, सामान्य परीक्षा के परिणाम सार्वजनिक न करें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। देश के कोचिंग केंद्र कोटा में छात्रों द्वारा आत्महत्या करने के बढ़ते मामलों के बीच राजस्थान सरकार ने उनके कल्याण के मद्देनजर कई दिशा निर्देश जारी किए हैं जिनके तहत नौवीं कक्षा से पहले छात्रों को कोचिंग संस्थानों में प्रवेश नहीं दिया जाएगा और छात्रों के मानसिक दबाव को कम करने की जिम्मेदारी कोचिंग संस्थानों की होगी। राजस्थान सरकार ने कोटा सहित राज्य के विभिन्न शहरों में चल रहे कोचिंग संस्थानों के नियमन के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं जिसमें छात्रों को डेढ़ दिन का साप्ताहिक अवकाश देना व बच्चों और शिक्षकों का अनुपात सही रखना शामिल है।

साथ ही कोचिंग संस्थानों के शिक्षकों से विद्यार्थियों के शैक्षणिक प्रदर्शन के आधार पर किसी तरह का भेदभाव नहीं करने को कहा गया है। राज्य सरकार ने इस संबंध में शिक्षा सचिव भवानी सिंह देथा की अध्यक्षता में 15 सदस्यीय समिति गठित की थी। इसके कुछ दिनों बाद नौ पन्नों के दिशानिर्देश जारी किए गए हैं। समिति का गठन प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कोचिंग संस्थानों के केंद्र कोटा शहर में विद्यार्थियों द्वारा आत्महत्या के बढ़ते मामलों के बाद कोचिंग संस्थानों और अन्य हितधारकों के परामर्श से किया गया था।

इन दिशा निर्देश में मुख्यतः इस बात पर बल दिया गया की नौवीं कक्षा की पढ़ाई पूरी करने से पहले छात्रों को कोचिंग संस्थानों में प्रवेश न दिया जाए। साथ ही डेढ़ दिन का साप्ताहिक अवकाश देने, बच्चों और शिक्षकों का अनुपात सही करने, 'इजी एग्जिट' एवं हेल्पलाइन सेवाएं तथा निगरानी व्यवस्था को 24 घंटे सुचारू रूप से चलाये जाने की व्यवस्था के निर्देश दिए गए। इसमें कोचिंग संस्थानों से कहा गया है कि वे सामान्य परीक्षाओं यानी 'असेसमेंट टेस्ट' के परिणाम सार्वजनिक नहीं करें। वे इन परीक्षाओं के परिणामों को गोपनीय रखते हुए अपने स्तर पर नियमित विश्लेषण करें तथा जो बच्चे निरंतर कम अंक प्राप्त कर रहे हैं एवं जिनका शैक्षणिक प्रदर्शन निरंतर गिर रहा है उनकी इन दिशानिर्देशों के प्रावधानानुसार विशेष काउंसलिंग करें। इसके साथ ही संस्थानों से कहा गया है कि वे प्रवेश के बाद आयोजित होने वाले 'असेसमेंट टेस्ट' के आधार पर बैचों का पुनर्निर्धारण/ बैच वर्गीकरण नहीं करें। संस्थानों के शिक्षकों से विद्यार्थियों के शैक्षणिक प्रदर्शन के आधार पर किसी तरह का भेदभाव नहीं करने को कहा गया है। इसके अलावा संस्थानों द्वारा 'रिफंड पॉलिसी' (शुल्क वापसी नीति) को अपनाने पर भी जोर दिया गया। परामर्श एवं प्रशिक्षण संबंधित दिशा निर्देश भी जारी किए गए। छात्रों पर मानसिक दबाव को कम करने के लिए भी कई उपाय सुझाए गए हैं। सरकार की ओर से जिला कलेक्टर और जिला पुलिस अधीक्षक को भी जिले के कोचिंग संस्थानों में राज्य सरकार द्वारा जारी दिशा निर्देशों की पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक देश के कोचिंग केंद्र कहे जाने वाले कोटा शहर में इस साल 23 छात्रों ने आत्महत्या की है, जो अब तक की सबसे ज्यादा संख्या है।राज्य में चल रहे कोचिंग संस्थानों में अध्ययनरत विद्यार्थियों में तनाव कम करने एवं उनके मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए दिशा निर्देश 2023 की अनुपालन में एक उच्चस्तरीय ऑनलाइन बैठक बृहस्पतिवार को मुख्य सचिव उषा शर्मा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में मुख्य सचिव ने कहा कि बच्चों में पढ़ाई के अवांछित तनाव को कम करने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाने चाहिए, ताकि वह हताश और निराश होकर गलत कदम न उठाएं।

मतदाता सूची का पुनरीक्षण पूरी गंभीरता और सावधानी से करें : पांडेय

जयपुर । भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार तथा निर्वाचन आयुक्त अनूप चंद्र पांडेय और अरूण गोयल ने आज प्रदेश के सभी जिलों के कलक्टर और पुलिस अधीक्षक, सभी संभागों के आयुक्त तथा पुलिस रेंज महानिरीक्षकों के साथ बैठक कर विधानसभा आम चुनाव-2023 की तैयारियों की जिलेवार समीक्षा की। उन्होंने मतदाता सूची के द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण की प्रगति की जानकारी ली और निर्वाचक नामावली को शुद्ध एवं त्रुटिरहित बनाने पर जोर दिया। आयोग ने मतदाता सूची का पुनरीक्षण पूरी गंभीरता, सूक्ष्मता और सावधानी से करने को कहा। भारत निर्वाचन आयोग ने चुनाव खर्च की मॉनिटरिंग के लिए राज्य में शराब, ड्रग्स, नगदी और फ्रीबीज के परिवहन पर कड़ी निगरानी के निर्देश दिए। उन्होंने आदर्श आचार संहिता के लागू होने का इंतजार न करते हुए ऐसे मामलों में तत्परता से कार्यवाही करने को कहा। आयोग ने बैठक में मतदान केंद्रों में व्यवस्था, ईवीएम और वीवीपैट की उपलब्धता व भंडारण तथा मानव संसाधन, वाहन तथा शिकायत निवारण प्रबंधन की भी समीक्षा की और कंट्रोल रूम को सक्रिय करने के निर्देश दिए।

क्रय-विक्रय सहकारी समितियों में 500 मीट्रिक टन क्षमता के गोदामों का निर्माण होगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रमुख शासन सचिव सहकारिता एवं प्रशासक राजफैड श्रीमती श्रेया गुहा ने कहा कि क्रय-विक्रय सहकारी समितियों में 500 मीट्रिक टन क्षमता के गोदाम निर्माण करवाएं जाएंगे। इसके लिए शीघ्र ही स्वीकृति जारी की जाएगी। उन्होंने कहा कि राजफैड द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य पर वर्ष 2022 में खरीफ एवं रबी सीजन में 2296.63 करोड़ रूपये की उपज की खरीद की गई। इससे 1 लाख 80 हजार 167 किसानों को लाभ मिला। इसी प्रकार 2023-24 में एमएसपी पर दलहन एव तिलहन की सीजन में 3968 करोड़ रूपये की खरीद की गई। इससे 2 लाख 81 हजार 174 किसानों को लाभ मिला। श्रीमती गुहा शनिवार को राजफैड परिसर में राजफैड की साधारण सभा की बैठक को संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि राजफैड द्वारा वर्ष 2022 एवं वर्ष 2023 में कुल 11.26 लाख मीट्रिक टन उपज की खरीद की गई, जिसकी राशि 6264 करोड रूपये है। इन दोनों वर्षों में कुल 4 लाख 61 हजार 341 किसानों को लाभ मिला। उन्होंने बताया कि वर्ष 2022-23 में राजफैड ने 3.99 करोड़ रूपये का शुद्ध लाभ एवं सकल लाभ 28.56 करोड रूपये अर्जित किया। प्रमुख शासन सचिव सहकारिता ने कहा कि मुख्यमंत्री की बजट घोषणा के अनुरूप 1 लाख मीट्रिक टन डीएवीपी एवं 2 लाख मीट्रिक टन यूरिया का अग्रिम भंडारण के लिए एमओयू किया गया। इस अवसर पर क्रय विक्रय सहकारी समितियों के विभिन्न अध्यक्षों ने केवीएसएस को सुदृढ करने के लिए बहुमूल्य सुझाव दिए।

रजिस्ट्रार सहकारिता मेघराज सिंह रतनू ने कहा कि क्रय विक्रय सहकारी समितियां अपने व्यवसाय में विविधता लाए । भारत सरकार एवं राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ ले। उन्होंने कहा कि जो समितियां आर्गेनिक का कार्य कर रही है एवं एक्सपोर्ट करती है वे राष्ट्रीय स्तर की समिति के प्लेटफार्म का उपयोग कर सकती है। उन्होंने समितियों से जनता से जुड़े व्यवसायों पर जोर देने की बात कही। प्रबंध निदेशक राजफैड हनुमान मल ढाका ने बताया कि राजफैड का वर्ष 2022-23 में 2352 करोड़ रूपये का टर्न ओवर रहा। उन्होंने कहा कि दलहन-तिलहन खरीद प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए किसानों का पंजीयन, खरीद दिनांक आवंटन एवं खरीद का कार्य आधार अधारित अभिप्रमाणनन (बॉयोमेट्रिक प्रणाली) के आधार पर किया जा रहा है।

तीन पुस्तकों का राज्यपाल ने किया लोकार्पण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने शनिवार को राजभवन में आयोजित कार्यक्रम में सरदार पटेल यूनिवर्सिटी ऑफ पुलिस सिक्योरिटी एंड क्रिमिनल जस्टिस, जोधपुर द्वारा प्रकाशित बाल तस्करी और बाल श्रम पुलिस हैंड बुक, भारत और संयुक्त राष्ट्र के आलोक में बदलते संदर्भ और विश्वविद्यालय की तीन वर्ष की उपलब्धियों और किए प्रमुख कार्यों पर प्रकाशित तीन महत्वपूर्ण पुस्तकों का लोकार्पण किया। राज्यपाल मिश्र ने इस दौरान कहा कि पुलिस आंतरिक सुरक्षा के साथ अपराध अन्वेषण की जिस संस्कृति से जुड़ी है, उसको इन पुस्तकों से गहरे से समझा जा सकता है।

उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा किए जाने वाले शोध और अनुसंधान का व्यापक जन हित में अधिकाधिक प्रसार किए जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के भारत के साथ संबंधों पर विश्वविद्यालय ने पहल करते हुए अनुकरणीय प्रकाशन किया है। इसे पाठकों तक पहुंचाने के लिए भी अधिकाधिक प्रयास होने चाहिए। इस अवसर पर सरदार पटेल यूनिवर्सिटी ऑफ पुलिस सिक्योरिटी एंड क्रिमिनल जस्टिस, जोधपुर के कुलपति आलोक त्रिपाठी ने लोकार्पित पुस्तकों और पुलिस विश्वविद्यालय की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रमुख विशेषाधिकारी गोविंद राम जायसवाल और विश्वविद्यालय के आचार्य उपस्थित रहे।

फार्मा, चिकित्सा उपकरण क्षेत्र में पीएलआई योजना के तहत 6,000 करोड़ रुपए के निवेश को मंजूरी : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गांधीनगर/भाषा। केंद्र सरकार ने उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत फार्मास्युटिकल और चिकित्सा उपकरण विनिर्माण क्षेत्र की 74 कंपनियों में 6,000 करोड़ रुपए के निवेश को मंजूरी दी है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को यह जानकारी दी। शाह गांधीनगर में राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईपीईआर) के नवनिर्मित परिसर के उद्घाटन के बाद एक सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, केंद्र सरकार ने एक समग्र दृष्टिकोण अपनाया है और 16 एपीआई (सक्रिय फार्मास्युटिकल घटक) और दो केएसएम (प्रमुख प्रारंभिक सामग्री) के लिए किफायती, टिकाऊ और लागत प्रभावी प्रक्रिया विकसित करने की प्रक्रिया शुरू की है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अगले एक दशक में भारत न केवल आत्मनिर्भर बनेगा बल्कि उन्हें (एपीआई और केएसएम) निर्यात करने की स्थिति में भी होगा। उन्होंने कहा, नरेन्द्र मोदी सरकार ने पीएलआई योजना के तहत फार्मास्युटिकल विनिर्माण क्षेत्र में करीब 48 छोटे-बड़े उद्योगों को 4,000 करोड़ रुपए के निवेश की इजाजत दे दी है। शाह ने कहा, चिकित्सकीय उपकरण विनिर्माण के लिए भी पीएलआई योजना शुरू की गई, जिसके तहत केंद्र ने 26 निवेशकों को 2,000 करोड़ रुपए के निवेश की अनुमति दी है। उन्होंने कहा कि सरकार ने 3,000 करोड़ रुपए की कुल लागत से तीन थोक दवा पार्क बनाए हैं।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ने कहा कि भारत को चिकित्सा उपकरणों के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार राष्ट्रीय चिकित्सा उपकरण नीति 2023 लेकर आई है और अब इसके निर्यात के लिए भी एक अलग नीति बनाई जा रही है। इस अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मंडाविया भी उपस्थित थे।

'विकलांगता पेंशन के नए नियम सैनिकों के साथ विश्वासघात, पूर्व सैनिक आयोग का गठन किया जाए'

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने सशस्त्र बलों के लिए विकलांगता पेंशन के नियमों में जो बदलाव किया है, वह देश के सैनिकों के साथ विश्वासघात है। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि पूर्व सैनिकों की शिकायतों के निवारण के मकसद से एक 'पूर्व सैनिक आयोग' का गठन किया जाए। खरगे ने विकलांगता पेंशन नियमों में बदलाव की खबर का जिक्र करते हुए सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, हमारे बहादुर सशस्त्र बलों के लिए नए विकलांगता पेंशन नियमों को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का फर्जी राष्ट्रवाद एक बार फिर दिखाई दे रहा है! उन्होंने आरोप लगाया, लगभग 40 प्रतिशत अधिकारी विकलांगता पेंशन के साथ सेवानिवृत्त होते हैं और वर्तमान नीति परिवर्तन पिछले कई अदालती निर्णयों, नियमों और स्वीकार्य वैश्विक मानदंडों का उल्लंघन होगा।

खरगे ने कहा कि 'ऑल इंडिया एक्स-सर्विसमेन वेलफेयर एसोसिएशन' ने मोदी सरकार की इस नई नीति का कड़ा विरोध किया है, जो असैन्य कर्मचारियों की तुलना में सैनिकों को नुकसान पहुंचाती है। उन्होंने दावा किया, जून 2019 में मोदी सरकार इसी तरह के विश्वासघात के साथ सामने आई थी, जब उसने घोषणा की थी कि वह विकलांगता पेंशन पर कर लगाएगी! मोदी सरकार हमारे जवानों, पूर्व सैनिकों और दिग्गजों के कल्याण के खिलाफ काम करने की आदतन अपराधी है।

ज्ञानवापी परिसर मामला : तहखाने के अधिकार मामले पर सुनवाई पूरी, चार अक्टूबर तक के लिए फैसला सुरक्षित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी (उप्र)/भाषा। वाराणसी की जिला अदालत ने ज्ञानवापी परिसर स्थित व्यास जी के तहखाने की चाबी यहां के जिलाधिकारी को सौंपने का आग्रह करने वाली एक याचिका पर शनिवार को सुनवाई पूरी करते हुए आदेश चार अक्टूबर तक के लिए सुरक्षित रख लिया।

जिला शासकीय अधिवक्ता राजेश मिश्रा ने बताया कि ज्ञानवापी स्थित व्यास जी के तहखाने को जिलाधिकारी को सौंपने संबंधित प्रकरण में दाखिल स्थानांतरण आवेदन पर शनिवार को जिला न्यायाधीश ए के विश्वेश ने सुनवाई पूरी करते हुए आदेश चार अक्टूबर तक के लिए सुरक्षित रख लिया है।

राजेश मिश्रा ने शुक्रवार को बताया था कि ज्ञानवापी स्थित व्यास जी के तहखाने का अधिकार जिलाधिकारी को सौंपने सहित वहां पूजा-पाठ करने के अधिकार देने संबंधी वाद सिविल न्यायाधीश (सीनियर डिवीजन) नितेश कुमार सिन्हा की अदालत में दायर किया गया था। उन्होंने बताया कि पिछले सोमवार को इस वाद को जिला न्यायाधीश की अदालत में स्थानांतरित करने के लिए प्रार्थनापत्र दिया गया जिस पर जिला न्यायाधीश ए के विश्वेश ने सुनवाई करते हुए मंदिर ट्रस्ट के ट्रस्टी को अपना पक्ष रखने के लिए 30 सितंबर की तारीख तय की थी।

हिन्दू पक्ष के अधिवक्ता मदन मोहन यादव ने बताया कि आज जिले की अदालत में काशी विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट के अधिवक्ता ने अपना पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि काशी विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट के अधिवक्ता रवि पांडेय ने अदालत के समक्ष कहा कि स्थानांतरण प्रार्थनापत्र स्वीकार करने योग्य है और मंदिर ट्रस्ट को इस प्रार्थनापत्र पर कोई आपत्ति नहीं है।

इसके पहले शुक्रवार को अधिवक्ता मदन मोहन यादव ने बताया था कि ज्ञानवापी परिसर स्थित नंदी के मुख के सामने व्यास जी का तहखाना मौजूद है जिसे 1993 में सरकार ने बैरिकेड लगाकर पूजा पाठ बंद करा दिया था। उन्होंने बताया था कि 1993 से पहले तहखाने का उपयोग एक पुजारी सोमनाथ व्यास द्वारा पूजा के लिए किया जाता था।

गुजरात: वडोदरा में जुलूस के दौरान धार्मिक भावनाएं आहत करने के आरोप में 20 लोग गिरफ्तार

वडोदरा/भाषा। गुजरात के वडोदरा के पादरा में मिलाद-उन-नबी के अवसर पर निकाले गए जुलूस के दौरान धार्मिक भावनाओं को आहत करने के आरोप में 20 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (वडोदरा देहात) रोहन आनंद ने कहा कि शुक्रवार की रात जब जुलूस एक मंदिर के पास से गुजर रहा था, तो इसमें शामिल कुछ सदस्यों ने अश्लील इशारे किए और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले शब्द कहे। उन्होंने बताया कि इसके बाद हिंदू समुदाय के लोगों का एक समूह पादरा पुलिस थाने के बाहर इकट्ठा हो गया और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करने लगा। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि भीड़ को तितर-बितर कर दिया गया और अजय परमार की शिकायत के आधार पर जुलूस में शामिल 13 नामजद और अन्य अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई।

छात्रों के खिलाफ बल प्रयोग में शामिल सुरक्षाकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी : बीरेन सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। मणिपुर के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने शनिवार को दोहराया कि दो छात्रों की हत्या के सिलसिले में प्रदर्शन कर रहे छात्रों के खिलाफ कार्रवाई के दौरान ' अत्यधिक बल प्रयोग' करने में संलिप्त सुरक्षा कर्मियों को दंडित किया जाएगा। उन्होंने लोगों से एकजुट रहने, शांति बनाए रखने और राज्य के दुश्मनों के साथ मिलकर लड़ने की अपील की।

सिंह ने इंफाल क्षेत्र में इस सप्ताह मंगलवार और बुधवार को सुरक्षाबलों के साथ झड़प में 100 से अधिक छात्रों के घायल होने पर स्तब्धता जताई। उन्होंने एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा, मैं अत्याधिक बल प्रयोग से वास्तव में स्तब्ध हूं...बच्चों के साथ क्या किया गया है। राज्य के मंत्रियों ने व्यक्तिगत रूप से घायल छात्रों से मुलाकात की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छात्रों को लगी गंभीर चोट के मामलों की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा, छात्रों को गंभीर रूप से घायल करने के लिए जिम्मेदार लोगों को गिरफ्तार किया जाएगा और उनपर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस सप्ताह लगातार दो दिन राज्य पुलिस और त्वरित कार्रवाई बल (आरएएफ) के साथ हुई झड़पों में दो छात्र गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

अस्पताल में दोनों छात्रों का इलाज कर रहे अधिकारियों ने संवाददाताओं को बताया कि एक छात्र के सिर में सुरक्षाबलों द्वारा दागे गए 40 पैलेट बुलेट लगे हैं जबकि दूसरे छात्र 17 वर्षीय एल किशन का कंधा पैलेट बुलेट से छलनी हो गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा, बुरी तरह से घायल छात्रों को इलाज के लिए 50 हजार रुपए की वित्तीय सहायता मुहैया कराई गई है। अस्पतालों को सूचित किया गया है कि छात्रों के इलाज पर आने वाले खर्च का वहन राज्य सरकार करेगी जिसमें इलाज के लिए दूसरे राज्य में इलाज की जरूरत होने पर आने वाला खर्च भी शामिल है।

यह कार्रवाई छह जुलाई को लापता हुए दो युवकों की कथित हत्या के खिलाफ छात्रों के बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन के बाद हुई।

दुर्गा पूजा के लिए 80 मेगावाट अतिरिक्त बिजली खरीदेगा त्रिपुरा : मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा के ऊर्जा मंत्री रत्न लाल नाथ ने कहा कि दुर्गा पूजा के दौरान निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए राज्य 80 मेगावाट अतिरिक्त बिजली खरीदने की योजना बना रहा है। यहां शुक्रवार को एक समीक्षा बैठक के बाद नाथ ने कहा कि इस साल दुर्गा पूजा के दौरान राज्य में बिजली की मांग करीब 380 मेगावाट रहने की संभावना है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2021 में दुर्गा पूजा के दौरान राज्य की अधिकतम मांग 327 मेगावाट थी, जो 2022 में बढ़कर 332 मेगावाट हो गई थी। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों की ही तरह त्रिपुरा राज्य विद्युत निगम लिमिटेड (टीएसईसीएल) ने दुर्गा पूजा के दौरान निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए कदम उठाए हैं। मंत्री ने कहा, हमें त्योहार के दौरान इस साल करीब 380 मेगावाट की मांग की उम्मीद है। उन्होंने कहा, राज्य के पास फिलहाल 300 मेगावाट बिजली है। दुर्गा पूजा के दौरान जरूरत को पूरा करने के लिए अतिरिक्त 80 मेगावाट का इंतजाम टीएसईसीएल करेगा।

जांघ में चोट के कारण एशियाई खेलों में पदक से चूकने से निराश है मीराबाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हांगझोउ/भाषा। भारत की शीर्ष भारोत्तोलक मीराबाई चानू एशियाई खेलों में महिलाओं की 49 किग्रा स्पर्धा के दौरान शनिवार को यहां जांघ की मांसपेशियों में चोट लगने के कारण पदक जीतने का अपना सपना पूरा नहीं करने पर निराश है।

ओलंपिक रजत पदक विजेता ने कहा कि प्रतियोगिता शुरू होने से पहले 'वार्म अप' करते समय उन्हें दर्द महसूस हुआ जिसके बाद उनके कोच ने प्रतियोगिता से हटने की सलाह दी। उन्होंने कोच की सलाह को नजरअंदाज कर अभ्यास जारी रखा क्योंकि वह देश के लिए पदक जीतना चाहती थीं। चानू ने स्पर्धा के बाद कहा, जब मैं स्नैच चरण से पहले वॉर्मअप कर रही थी तो मुझे अपनी जांघ पर दर्द महसूस हुआ। दर्द कम करने के लिए बर्फ और स्प्रे का इस्तेमाल किया है। भारत में देखेंगे कि इसका इलाज कैसे होगा। मुझे भी अब दर्द हो रहा है। चानू ने कुल 191 किग्रा (83 किग्रा +108 किग्रा) का वजन उठाया जिससे वह चौथे स्थान पर रहीं। उन्होंने कहा, मुझे यह दर्द जांघ की मांसपेशियों और दाहिनी ओर की हड्डियों में हो रहा है। मणिपुर की इस खिलाड़ी ने कहा, मैंने कड़ी ट्रेनिंग की थी लेकिन इस दर्द के कारण पदक नहीं जीत सकीं।। मैंने देश के लिए पदक जीतने की पूरी कोशिश की लेकिन यह नहीं हो सका। मुझे बुरा लग रहा है। मैं 2018 एशियाई खेलों में भाग नहीं ले सकी थी। एशियाई खेलों में पदक जीतना मेरा सपना था लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। अब मेरा लक्ष्य पेरिस ओलंपिक में अच्छा प्रदर्शन करना है। उन्होंने कहा, स्नैच वार्म अप के दौरान दर्द शुरू हो गया था। सर (विजय शर्मा) ने मुझसे पूछा कि क्या मैं प्रतियोगिता से हट सकती हूं क्योंकि इससे गंभीर चोट लग सकती है। लेकिन मैंने पदक की आस में खेलना जारी रखा। चानू ने कहा, दर्द के बाद भी मैं कम से कम कांस्य पदक जीतने के लिए क्लीन एवं जर्क में 117 किग्रा का भार उठाने की कोशिश की लेकिन सफल नहीं रही।

मैं दिमाग से चोट का ख्याल भी निकाल देना चाहता हूं : नीरज चोपड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हांगझोउ/भाषा। लंबे समय से ग्रोइन की चोट से परेशान ओलंपिक चैम्पियन नीरज चोपड़ा एशियाई खेलों में इस चोट के बारे में सोचना भी नहीं चाहते। चोपड़ा ने जकार्ता में 2018 में भालाफेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था।

इस चोट के बावजूद उन्होंने इस सत्र में अगस्त में बुडापेस्ट में विश्व चैम्पियनशिप जीती और सितंबर में डायमंड लीग में दूसरे स्थान पर रहे। उन्होंने कहा, मैं स्विटजरलैंड में अभ्यास और इत्मीनान से रिहैब के बाद यहां आया हूं। उम्मीद है कि सौ फीसदी देकर पदक जीत सकूंगा। उन्होंने कहा, चोट तो अभी भी है। पिछले साल भी मसला था लेकिन मुझे बेहतर लग रहा था। मुझे ख्याल रखना होगा क्योंकि पेरिस ओलंपिक की तैयारी भी है। इस तरह की चीजें शीर्ष स्तर पर खेलने वाले एथलीटों के साथ होती रहती है। उन्होंने कहा, मैने विश्व चैम्पियनशिप के दौरान भी इसके बारे में सोचने की बजाय अपने थ्रो पर फोकस किया। मैं इस समय भी चोट का ख्याल भी दिमाग में नहीं लाना चाहता।

त्रिपुरा में बंद से आदिवासी इलाकों में जनजीवन प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा के मुख्य विपक्षी दल टिपरा मोथा के 12 घंटे के बंद के आह्वान की वजह से शनिवार को राज्य के आदिवासी इलाकों में जनजीवन प्रभावित हुआ। आदिवासियों की समस्याओं के शीघ्र संवैधानिक समाधान की मांग को लेकर टिपरा मोथा ने बंद का आह्वान किया है। पार्टी, त्रिपुरा जनजातीय क्षेत्र स्वायत्त जिला परिषद (टीटीएएडीसी) में सत्ता में है।

टीटीएएडीसी इलाकों में सभी कार्यालय, शैक्षणिक संस्थान और दुकानें बंद रहीं, जबकि असम-अगरतला राष्ट्रीय राजमार्ग सहित मुख्य सड़कों पर वाहन नदारद रहे क्योंकि बंद के समर्थकों ने कई मुख्य जगहों पर सड़कों की नाकेबंदी कर रखी थी। बंद की वजह से ट्रेन सेवा भी प्रभावित हुई, जबकि लंबी दूरी वाली बसें भी सड़कों पर नहीं दिखीं। हालांकि, अगरतला से उड़ानों का परिचालन सामान्य रहा। अगरतला और राज्य के अन्य गैर आदिवासी इलाकों में दुकानें, बाजार और कार्यालय खुले रहे। सहायक महानिरीक्षक (एआईजी-कानून-व्यवस्था) ज्योतिष्मान दास चौधरी ने बताया, स्वायत्त जिला परिषद इलाकों में बंद शांतिपूर्ण रहा और बंद समर्थकों ने 70-80 स्थानों पर सड़कों को अवरुद्ध कर रखा है। अभी तक कहीं से किसी भी प्रकार की हिंसा की कोई खबर नहीं है।

असम : हाथियों के झुंड के हमले में वन रेंजर की मौत, तीन अन्य वनकर्मी घायल

जोरहाट/भाषा। असम के जोरहाट जिले में जंगली हाथियों के एक झुंड द्वारा किए गए हमले में एक वन रेंजर की मौत हो गई जबकि विभाग के तीन कर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। एक अधिकारी ने शनिवार को यहां यह जानकारी दी। घटना शुक्रवार को उस समय की है, जब मारिअनि वन क्षेत्र के रेंजर के नेतृत्व में वनकर्मी जंगली हाथियों के एक झुंड को वापस गिब्बों वन्यजीव अभ्यारण्य में भेजने का अभियान चला रहे थे। इन हाथियों ने तिताबोर उपसंभाग के विजयनगर में तांडव मचाया हुआ था। इक्यावन वर्षीय वन रेंजर अतुल कलिता ने हवा में गोलीमार कर झुंड को भगाने की कोशिश करनी चाही लेकिन उनकी सर्विस राइफल से गोली नहीं चली। तभी झुंड से तीन हाथी उनकी तरफ बढ़े और कुचलकर उन्हें मौत के घाट उतार दिया।

'भारतीय सशस्त्र बलों की बहादुरी की परंपराओं को बरकरार रखें जवान'

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल के. टी. परनाइक (सेवानिवृत्त) ने सेना के जवानों से सतर्क रहने और पूर्वोत्तर राज्य में संवेदनशील सीमाओं की रक्षा में भारतीय सशस्त्र बलों की बहादुरी की परंपराओं को बरकरार रखने का आह्वान किया। राज्यपाल ने शुक्रवार को ऊपरी सुबनसिरी जिले के सीमावर्ती गांव ताकसिंग में सशस्त्र बलों के जवानों से कहा कि राज्य के ताकसिंग सेक्टर में स्थित अंतरराष्ट्रीय सीमा देश की सुरक्षा के लिए संवेदनशील और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। परनाइक ने इससे पहले 2008 में 4 कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग के रूप में ताकसिंग का दौरा किया था। उन्होंने जवानों को शारीरिक रूप से तंदरुस्त रहने और मानसिक सतर्कता बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया। राजभवन द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा गया कि उन्होंने सीमा को सुरक्षित रखने के लिए जवानों के साथ आधुनिक सुरक्षा कदम साझा किए। उन्होंने अधिकारियों और कर्मियों को ताकसिंग क्षेत्र में सीमावर्ती ग्रामीणों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखने तथा आपात स्थिति में उन्हें सहायता प्रदान करने की सलाह दी।

बोपन्ना-भोसले ने टेनिस में मिश्रित युगल स्वर्ण जीता

हांगझोउ/भाषा। अनुभवी रोहन बोपन्ना और रूतुजा भोसले ने पहला सेट हारने के बाद वापसी करते हुए चीनी ताइपै के सुंग हाओ हुआंग और एन शुओ लियांग को 2-6, 6-3, 10-4 से हराकर एशियाई खेलों की मिश्रित युगल स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीत लिया। अब भारतीय टेनिस दल एक स्वर्ण पदक लेकर लौटेगा। इस बार एशियाई खेलों में टेनिस में भारत की झोली में दो ही पदक गिरे जिनमें पुरुष युगल का रजत शामिल है। भारत ने टेनिस में 2002 में बुसान में 4, 2006 में दोहा में 4, 2010 में ग्वांग्झू में 5, 2014 में इंचियोन में 5 और 2018 में जकार्ता में 3 पदक जीते थे।

भारत ने आठ साल बाद पाकिस्तान को हराकर पुरुष टीम स्क्वाश स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हांगझोउ/भाषा। अभय सिंह ने उतार चढ़ाव भरे मैच में गजब का संयम दिखाते हुए नूर जमां को हराकर अपने करियर की सबसे बड़ी फतह हासिल की जिससे शीर्ष वरीय भारत ने शनिवार को यहां एशियाई खेलों की पुरुष टीम स्क्वाश स्पर्धा में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को रोमांचक मुकाबले में हराकर स्वर्ण पदक जीत लिया। टूर्नामेंट शुरु होने से पहले भारतीय पुरुष टीम के आठ साल बाद शीर्ष स्थान पर रहने की उम्मीद थी जिसमें उसके सामने सबसे बड़ी चुनौती मलेशिया और पाकिस्तान की थी। सौरव घोषाल की अगुआई वाली टीम इन दोनों प्रतिद्वंद्वियों की चुनौती से निपटकर सोना हासिल करने में सफल रही। पाकिस्तान के खिलाफ भारत को लीग चरण में इस चिर प्रतिद्वंद्वी से हार मिली थी।

जमां (113 रैंकिंग) ने लीग चरण के मैच में दुनिया के 69वें नंबर के खिलाड़ी अभय को हराया था और शनिवार को भी मैच में ज्यादातर हिस्से में यह पाकिस्तानी खिलाड़ी मुकाबले में भारी दिख रहा था। एकल में नासिर इकबाल की जीत के बाद घोषाल स्कोर को 1-1 से बराबर करने में सफल रहे जिससे स्वर्ण पदक का फैसला अभय और जमां के बीच मुकाबले से होना था। दिन के नायक चेन्नई के अभय रहे जिन्होंने उतार चढ़ाव भरे निर्णायक मैच में गजब का संयम दिखाते हुए जमां को 3-2 से पराजित किया। जमां चौथे गेम में 9-7 से और निर्णायक गेम में 10-8 से आगे चल रहे थे। लेकिन भारतीय खिलाड़ी अभय किसी तरह वापसी कर 64 मिनट तक मैराथन मुकाबले में 11-7, 9-11, 8-11, 11-9, 12-10 के स्कोर से यादगार जीत दर्ज की। इस जीत के बाद उन्होंने अपना रैकेट हवा में उछाल दिया।

अभय ने कहा, हमें तीन रात पहले भी जीत दर्ज करनी चाहिए थी क्योंकि हमारी टीम उनसे बेहतर थी। मैं आज की जीत से खुश हूं। जश्न मनाने का समय नहीं है क्योंकि कल हमारे मैच हैं।

भारत के सबसे ऊंची 19 रैंकिंग वाले खिलाड़ी घोषाल ने कहा, परिस्थितियों को देखते हुए यह निश्चित रूप से अभय के करियर की सबसे बड़ी जीत है।

2023 विश्व कप भारत के लिए मेरा अंतिम विश्व कप हो सकता है: अश्विन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। रविचंद्रन अश्विन ने शनिवार को स्वीकार किया कि पांच अक्टूबर से शुरु होने वाला आगामी विश्व कप भारत की ओर से उनका अंतिम विश्व कप हो सकता है जिसमें इस अनुभवी स्पिनर को चोटिल अक्षर पटेल की जगह मेजबान टीम की 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। अश्विन ने हाल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ समाप्त शृंखला के पहले दो वनडे में शानदार प्रदर्शन किया और इसके बाद उन्हें पटेल की जगह टीम में चुना गया। भारत के शनिवार को यहां गत चैम्पियन इंग्लैंड के खिलाफ अभ्यास मैच से पहले 37 वर्षीय अश्विन ने मैच से पूर्व बातचीत में यह बात स्वीकार की।

अश्विन ने 'स्टार स्पोर्ट्स' से कहा, अच्छी लय में हूं और इस टूर्नामेंट का लुत्फ ले रहा हूं जो मुझे अच्छी लय में रखेगा। यह भारत के लिए मेरा अंतिम विश्व कप हो सकता है इसलिए टूर्नामेंट का आनंद लेना सबसे अहम है। उन्होंने भारतीय टीम में अपने चयन के बारे में कहा, मै इसके बारे में (टीम में चयन) में कहता कि आप मजाक कर रहे हो। लेकिन जीवन कई उतार चढ़ाव से भरा होता है। ईमानदारी से कहूं तो मैंने नहीं सोचा था कि मैं यहां टीम के साथ मौजूद रहूंगा। परिस्थितियों ने सुनिश्चित किया कि मैं आज यहां हूं, टीम प्रबंधन ने भरोसा दिखाया है। अश्विन ने विश्व कप इतिहास में भारत के लिए 10 मैच खेले हैं जिसमें अंतिम मुकाबला 2015 में था।

सुविचार

अगर कुछ करना है तो भीड़
से हटकर चलो, भीड़ साहस
तो देती है पर पहचान छीन लेती है।

ट्वीट

आज झुंझुनू के बिसाऊ में आयोजित कार्यक्रम के दौरान 147 करोड़ रु के महाविद्यालय भवन और खेल स्टेडियम सहित विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास व लोकार्पण किया। कार्यक्रम में उपस्थित उत्साहित विशाल जनसभा के गर्मजोशी भरे स्वागत और सद्भाव से अभिभूत हूँ।

-अशोक गहलोत

प्रदेश का प्रशासन और पुलिस छोटी बच्चियों को लेकर कितना असंवेदनशील है, यह पाली में हुई इस घटना से पता लगती है। गृहमंत्री, मुख्यमंत्री और आलाकमान के कमजोर, नाकारा होने पर ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति होती है। प्रदेश कांग्रेस सरकार चुनाव में जाकर वोट मांगने का नैतिक अधिकार खो चुकी है।

-सीपी जोशी

अध्यात्म

जीवन में शुभता लाने का यत्न करें

सबसे मुख्य बिंदु है कि आपका मार्गदर्शक अवश्य होना चाहिए यानी आपका सदगुरु! जब आप उसके निर्देशन में चलोगे तो वह आपको भक्ति के, साधना के मार्ग पर ले जाएँगे जहाँ से सीधा रास्ता भगवान के दर पर ही जाता है।

आचार्य सुधांशुजी महाराज

मनुष्य योनि बहुत जन्मों के बाद प्राप्त हुई है। इसका भरपूर उपयोग करना हमारा कर्तव्य है क्योकि जो कुछ हम यहाँ प्राप्त कर सकते हैं, कही और नहीं । हमारा जीवन शुभ हो, मंगलमय हो इसके लिए हमे कुछ सूत्रों को याद करना होगा क्योकि कुछ प्राप्त करना है तो उसके लिए प्रयत्न तो करना पड़ेगा। यूँ ही ज़िंदगी बिताने से हम सफल नहीं हो सकते। सबसे मुख्य बिंदु है कि स्वयं को अनुशासित, मर्यादित करना होगा, अपने दिन के समय को विभाजित कीजिए, कितना समय किस काम के लिए रखना है। इसलिए इसका प्रारंभ दिनचर्या ठीक करने से करना होगा।

सुबह का समय भगवान को देना है क्योकि यह अमृतवेला है जिसमें अपना संबंध प्रभु से जोड़कर ही इसका आशीर्वाद प्राप्त होगा। पहला दर्शन आँख खुलते ही भगवान का, पहला वाक्य भगवान के लिए यानी मंत्र पाठ करते हुए, पहला अपनी कमाई का हिस्सा भगवान के कार्यों के लिये, पहला कर्म भगवान के लिए -अपनी पूजा पाठ नित्य नियम करने से ही शुरुआत करनी चाहिए। जब आपका प्रभात शुभ होगा तो सारा दिन शुभ रहेगा, दिन शुभ तो सप्ताह शुभ, फिर आपका महीना, वर्ष सब शुभ ही शुभ होंगे और जीवन शुभता को प्राप्त होगा।

हर कार्य भगवान देख रहा है

अपने प्रभात को अति सुंदर बनाओ उस परमात्मा का साक्षीमानकर ,फिर आप जो भी कार्य क्षेत्र में कार्य करेंगे वह भी भगवान को ही समर्पित होगा और कोई अशोभनीय कार्य आप कर ही नहीं सकते क्योकि आप महसूस करते है की मेरा हर कार्य भगवान देख रहा है!

सबसे मुख्य बिंदु है कि आपका मार्गदर्शक अवश्य होना चाहिए यानी आपका सदगुरु! जब आप उसके निर्देशन में चलोगे तो वह आपको भक्ति के, साधना के मार्ग पर ले जाएँगे जहाँ से सीधा रास्ता भगवान के दर पर ही जाता है। इसलिए पूर्ण श्रद्धा समर्पण और प्रेम के साथ अपना आपा अपने गुरु को सौंप दो :सबसे बड़ी सफलता का रहस्य यही है।

इस मनुष्य योनि में ही अपका कल्याण हो जाये, बार बार जन्म लेना, फिर मरना, विभिन्न योनियों की पीड़ा को सहना, इन सबसे मुक्ति हो सके इसलिए कल्याण मार्ग के पथिक बन जाओ, धर्म से जुडो, भक्ति से जुडो, ध्यान साधना से जुड़कर एक आदर्श जीवन का निर्माण करो। नित्य प्रार्थना करो शुभता के देवता भगवान गणेश जी से, आपका घर प्रेम का मंदिर हो और आपकी आत्मा परमात्मा के प्रेम में सराबोर-यही शुभ जीवन की निशानी है।

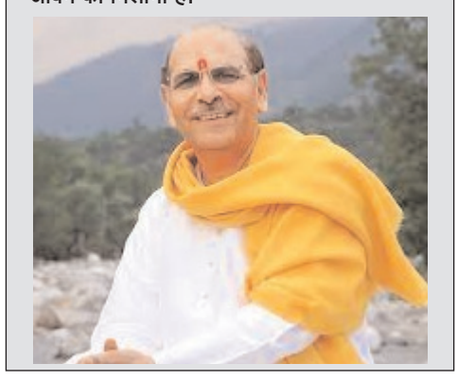

विशेष

रचनात्मकता के रंग भरें वृद्धावस्था में

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

अंतरराष्ट्रीय वृद्ध दिवस जिसे बुजुर्ग दिवस, वरिष्ठ नागरिक दिवस, प्रौढ़ दिवस अथवा वृद्धजन दिवस भी कहा जाता है, प्रत्येक वर्ष 1 अक्टूबर को मनाया जाता है। यह दिवस अपने वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान करने, उनके वार्धक्य को सुखद बनाने एवं उनके सम्बन्ध में चिंतन करने के लिये मनाया जाता है। आज का वृद्ध समाज अत्यधिक कुंठाग्रस्त एवं उपेक्षित है और सामान्यतः इस बात से सर्वाधिक दुःखी है कि जीवन का विशद अनुभव होने के बावजूद कोई उनकी राय न तो लेना चाहता है और न ही उनकी राय को महत्व ही देता है। इस प्रकार अपने को समाज में एक तरह से निष्प्रयोज्य समझे जाने के कारण हमारा वृद्ध समाज सर्वाधिक उपेक्षित, दुःखी, प्रताड़ित रहता है। वृद्ध समाज को इस दुःख और संत्रास से छुटकारा दिलाना आज की सबसे बड़ी जरुरत है। इस दिशा में ठोस प्रयास किये जाने की बहुत आवश्यकता है। संयुक्त राष्ट्र ने विश्व में बुजुर्गों के प्रति हो रहे दुर्व्यवहार और अन्याय को समाप्त करने के लिए और लोगों में जागरुकता फैलाने के लिए 14 दिसम्बर, 1990 को इस दिवस को मनाने का निर्णय लिया और 1 अक्टूबर, 1991 को पहली बार यह दिवस मनाया गया, जिसके बाद से इसे हर साल इसी दिन मनाया जाता है।

प्रश्न है कि दुनिया में वृद्ध दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों हुई? क्यों वृद्धों की उपेक्षा एवं प्रताड़ना की स्थितियां बनी हुई है? चिन्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि वृद्धों की उपेक्षा के इस गलत प्रवाह को रोके। क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल वृद्धों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है। वृद्धावस्था जीवन की सांझ है। वस्तुतः वर्तमान के भागदौड़, आपाधापी, अर्थ प्रधानता व नवीन चिन्तन तथा मान्यताओं के युग में जिन अनेक विकृतियों, विसंगतियों व प्रतिकूलताओं ने जन्म लिया है, उन्हीं में से एक है वृद्धों की उपेक्षा। वस्तुतः वृद्धावस्था तो वैसे भी अनेक शारीरिक व्याधियों, मानसिक तनावों और अन्यान्य व्यथाओं भरा जीवन होता है और अगर उस पर परिवार के सदस्य, विशेषतः युवा परिवार के बुजुर्गों/वृद्धों को अपमानित करें, उनका ध्यान न रखें या उन्हें मानसिक संताप पहुँचाएं, तो स्वाभाविक है कि वृद्ध के लिए वृद्धावस्था अभिशाप बन जाती है। इसीलिए तो मनुस्मृति में कहा गया है कि-जब मनुष्य यह देखे कि उसके शरीर की त्वचा शिथिल या ढीली पड़ गई है, बाल पक गए हैं, पुत्र के भी पुत्र हो गए हैं, तब उसे सांसारिक सुखों को छोड़कर वन का आश्रय ले लेना चाहिए, क्योंकि वहीं वह अपने को मोक्ष-प्राप्ति के लिए तैयार कर सकता है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा है कि 'वृद्ध व्यक्ति ज्ञान और अनुभव के अमूल्य स्रोत हैं और उनके पास शांति, सतत विकास और हमारे ग्रह की सुरक्षा में योगदान करने के लिए बहुत कुछ है।' फिर वृद्धजन क्यों स्वयं को इतना खाली, एकांकी एवं उदासीन बनाये हुए हैं? वृद्धावस्था में खालीपन एक बड़ी समस्या है। कहावत भी है कि खालीपन सजा भी है और मजा भी है। यह वृद्धावस्था को प्राप्त लोगों पर ही निर्भर है कि वे खालीपन में मजा ले रहे हैं, आनन्द ले रहे हैं या उसे सजा बना रहे हैं। एकान्त या खालीपन विडम्बना ही नहीं है, बल्कि एक दुर्लभ उपलब्धि है। एकांत का बहुत गहरा आध्यात्मिक महत्व है, वर्तमान युग में हर एक को एकान्त मिलना मुश्किल है। उम्र प्राप्त लोगों को एकान्त या खालीपन अधिक सुलभ है तो वह उसका रचनात्मक, सृजनात्मक एवं आध्यात्मिक उपयोग कर उसे अपना साथी बनाये। गार्डन में जो वृद्ध जाते हैं, आसन-प्राणायाम-योग करते हैं, वे शांत-एकान्त वातावरण में बैठकर अपने अनुभवों का लेखन भी कर सकते हैं, वृद्धों के पास अनुभवों का खजाना होता है। कई वृद्ध अस्पताल में जाकर अपनी सेवाएं दे सकते हैं। धर्म की जड़ पाताल में और पाप की जड़ अस्पताल में, यह साक्षात अनुभव कर अपने वृद्धावस्था को उपयोगी बनाया जा सकता है।

विश्व में इस दिवस को मनाने के तरीके अलग-अलग हो सकते हैं, परन्तु सभी का मुख्य उद्देश्य यह होता है कि वे अपने बुजुर्गों के योगदान को न भूलें और उनको अकेलेपन की कमी को महसूस न होने दें। हमारा भारत तो बुजुर्गों को भगवान के रूप में मानता है। इतिहास में अनेकों ऐसे उदाहरण है कि माता-पिता की आज्ञा से भगवान श्रीराम जैसे अवतारी पुरुषों ने राजपाट त्याग कर वनों में विचरण किया, मातृ-पितृ भक्त श्रवण कुमार ने अपने अन्धे माता-

पिता को काँवड़ में बैठाकर चारधाम की यात्रा कराई। फिर क्यों आधुनिक समाज में वृद्ध माता-पिता और उनकी संतान के बीच दूरियां बढ़ती जा रही है? हकीकत तो यह है कि वर्तमान पीढ़ी अपने आप में इतनी मस्त-व्यस्त है कि उसे वृद्धों की ओर ध्यान केन्द्रित करने की फुरसत ही नहीं है। आज परिवार के वृद्धों से कोई वार्तालाप करना, उनकी भावनाओं की कद्र करना, उनकी सुनना, कोई पसन्द ही नहीं करता है. जब वे उच्छृखल, उन्मुक्त, स्वछंद, आधुनिक व प्रगतिशील युवाओं को दिशा-निर्देशित करते हैं, टोकते हैं तो प्रत्युत्तर में उन्हें अवमानना, लताड़ और कटु शब्द भी सुनने पड़ जाते हैं। इन्हीं त्रासद स्थितियों को देखते हुए डिजरायली ने कहा था कि यौवन एक भूल है, पूर्ण मनुष्यत्व एक संघर्ष और वार्धक्य एक पश्चात्ताप।'

कटू सत्य है कि वृद्धावस्था जीवन का अनिवार्य सत्य है। जो आज युवा है, वह कल बूढ़ा भी होगा ही, लेकिन समस्या की शुरुआत तब होती है, जब युवा पीढ़ी अपने बुजुर्गों को उपेक्षा की निगाह से देखने लगती है और उन्हें अपने बुढ़ापे और अकेलेपन से लड़ने के लिए असहाय छोड़ देती है। वृद्धों को लेकर जो गंभीर समस्याएं आज पैदा हुई हैं, वह अचानक ही नहीं हुई, बल्कि उपभोक्तावादी संस्कृति तथा महानगरीय अधुनातन बोध के तहत बदलते सामाजिक मूल्यों, नई पीढ़ी की सोच में परिवर्तन आने, महंगाई के बढ़ने और व्यक्ति के अपने बच्चों और पत्नी तक सीमित हो जाने की प्रवृत्ति के कारण बड़े-बूढ़ों के लिए अनेक समस्याएं आ खड़ी हुई हैं। इसीलिये सिसरो ने कामना करते हुए कहा था कि जैसे मैं वृद्धावस्था के कुछ गुणों को अपने अन्दर समाविष्ट रखने वाला युवक को चाहता हूं, उतनी ही प्रसन्नता मुझे युवाकाल के गुणों से युक्त वृद्ध को देखकर भी होती है, जो इस नियम का पालन करता है, शरीर से भले वृद्ध हो जाए, किन्तु दिमाग से कभी वृद्ध नहीं हो सकता।' वृद्ध लोगों के लिये यह जरूरी है कि वे वार्धक्य को ओढ़े नहीं, बल्कि जीएं। इसके लिये आज विचारक्रांति ही नहीं, बल्कि व्यक्तिक्रांति की जरूरत है। अपेक्षा इस बात की भी है कि वृद्ध भी स्वयं को आत्म-सम्मान दें। जेम्स गारफील्ड ने वृद्धों से अपेक्षा की है कि यदि वृद्धावस्था की झुरियां पड़ती है तो उन्हें हृदय पर मत पड़पे दो। कभी भी आत्मा को वृद्ध मत होने हो।' एक आदर्श एवं संतुलित समाज व्यवस्था के लिये अपेक्षित है कि वृद्धों के प्रति स्वस्थ व सकारात्मक भाव व दृष्टिकोण रखे और उन्हें वेदना, कष्ट व संताप से सुरक्षित रखने हेतु सार्थक पहल करे। वास्तव में भारतीय संस्कृति तो बुजुर्गों को सदैव सिर-आँखों पर बिठाने और सम्मानित करने की सीख देती आई है। अगर परिवार के वृद्ध कष्टपूर्ण जीवन व्यतीत कर रहे हैं, रुग्णावस्था में बिस्तर पर पड़े कराह रहे हैं, भरण पोषण को तरस रहे हैं, तो यह हमारे लिए लज्जा का विषय है। वृद्धों को ठुकराना, तरसाना, सताना, भर्त्सनीय भी है और अक्षम्य अपराध भी। सामाजिक मर्यादा, मानवीय उद्घोष व नैतिक मूल्य हमें वृद्धों के प्रति आदर, संवेदना व सहानुभूति-प्रदाय की शिक्षा देते हैं। यथार्थ तो यह है कि वृद्ध समाज, परिवार और राष्ट्र का गौरव है।

संजय उवाच

■ संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

श्राद्ध पक्ष के निमित्त

पितरों के लिए श्रद्धा से किए गए मुक्ति कर्म को श्राद्ध कहते हैं। भाद्रपद शुक्ल पूर्णिमा से आश्विन कृष्ण अमावस्या तक श्राद्धपक्ष चलता है। इसका भावपक्ष अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता और कर्तव्य का निर्वहन है। व्यवहार पक्ष देखें तो पितरों को खीर, पूड़ी व मिष्ठान का भोग इसे तृप्तिपर्व का रूप देता है। जगत के रंगमंच के पार्श्व में जा चुकी आत्माओं की तृप्ति के लिए स्थूल के माध्यम से सूक्ष्म को भोज देना लोकातीत एकात्मता है। ऐसी सदाशय व उत्तुंग अलौकिकता सनातन दर्शन में ही संभव है। यूँ भी सनातन परंपरा में प्रेत से प्रिय का अतिरेक अभिप्रेरित है। पूर्वजों के प्रति श्रद्धा प्रकट करने की ऐसी परंपरा वाला श्राद्धपक्ष संभवत: विश्व का एकमात्र अनुष्ठान है।

इस अनुष्ठान के निमित्त प्राय: हम संबंधित तिथि को संबंधित दिवंगत का श्राद्ध कर इति कर लेते हैं। अधिकांशत: सभी अपने घर में पूर्वजों के फोटो लगाते हैं। नियमित रूप से दीया-बाती भी करते हैं।

दैहिक रूप से अपने माता-पिता या पूर्वजों का अंश होने के नाते उनके प्रति श्रद्धावनत होना सहज है। यह भी स्वाभाविक है कि व्यक्ति अपने दिवंगत परिजन के प्रति आदर व्यक्त करते हुए उनके गुणों का स्मरण करे। प्रश्न है कि क्या हम दिवंगत के गुणों में से किसी एक या दो को आत्मसात कर पाते हैं?

बहुधा सुनने को मिलता है कि मेरी माँ परिश्रमी थी पर मैं बहुत आलसी हूँ।...क्या शेष जीवन यही कहकर बीतेगा या दिवंगत के परिश्रम को अपनाकर उन्हें चैतन्य रखने में अपनी भूमिका निभाई जाएगी?... मेरे पिता समय का पालन करते थे, वह पंक्चुअल थे।...इधर सवारी किसी को दिये समय से आधे घंटे बाद घर से निकलती है। विदेह स्वरूप में पिता की स्मृति को जीवंत रखने के लिए क्या किया? कहा गया है,

यद्यष्टाचरति श्रेष्ठस्तत्तदेवेतरो: जनः।
स यत्प्रमाणं कुरुते लोकस्तदनुवर्तते।।

अर्थात श्रेष्ठ मनुष्य जो-जो आचरण करता है, दूसरे मनुष्य वैसा ही आचरण करते हैं। वह जो कुछ प्रमाण देता है, दूसरे मनुष्य उसी का अनुसरण करते हैं। भावार्थ है कि अपने पूर्वजों के गुणों को अपनाना, उनके श्रेष्ठ आचरण का अनुसरण करना उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। विधि विधान और लोकाचार से पूर्वजों का श्राद्ध करते हुए अपने पूर्वजों के गुणों को आत्मसात करने का संकल्प भी अवश्य लें। पूर्वजों की आत्मा को इससे सच्चा आनंद प्राप्त होगा।

बोध कथा

तेंदुए का शिकार

भले ही शेखचिल्ली बेवकूफी भरी बातें और कार्य था, लेकिन एक दिन शेखचिल्ली की किसी काबिलियत को देखते हुए झज्जर नवाब शेख फारूख ने उसे अपने यहां नौकरी दे दी। दिन बीतते गए और शेख ईमानदारी से अपना काम करता रहा। एक दिन नवाब शिकार खेलने के लिए जंगल जा रहे थे। उन्हें शिकार के लिए जाता देख शेख ने कहा, महाराज मैं भी आपके साथ आना चाहता हूं। नवाब ने हंसते हुए उसे समझाया कि तुम वहां नहीं जा सकते हो। तुमने जीवन में कभी किसी चूहे का भी शिकार नहीं किया होगा, तो तुम जंगल चलकर क्या करोगे?

झज्जर नवाब से यह सुनकर दुखी आवाज में शेखचिल्ली बोला, आप मुझे अपनी काबिलियत दिखाने का एक मौका तो दीजिए। नवाब ने उसकी जिद देखकर शेखचिल्ली के हाथ में भी एक बंदूक थमा दी। अब सभी एक साथ कालेसर जंगल की ओर बढ़ने लगे। कुछ दूर पहुंचकर सब शिकार का इंतजार करने के लिए अपनी-अपनी जगह पर खड़े हो गए। नवाब साहब ने शेखचिल्ली को अपने साथ खड़े रहने को कहा।

तेंदुए को फंसाने के लिए पेड़ पर एक बकरी को बांध रखा था। फिर भी तीन घंटे तक तेंदुआ वहां आया नहीं। इतने में चिल्लाते हुए शेखचिल्ली ने पूछा कि कहा गया तेंदुआ अब तक आया क्यों नहीं। नवाब के पास में ही खड़े एक शिकारी ने कहा कि तुम चुप रहो। वरना सारा काम बिगाड़ दोगे। इतने में ही शेखचिल्ली मन में ही ख्याली पुलाव पकाने लगा। उसके मन में हुआ कि एक-दो तेंदुए का शिकार करने के लिए इतने सारे लोग यहां आ गए हैं। आए सो आए, लेकिन एक भी तेंदुए को ढूंढने के लिए नहीं गया। सबके सब पेड़ के पीछे छुपकर उसका इंतजार कर रहे हैं।

फिर शेख के मन में हुआ कि मेरा बस चले, तो मैं बंदूक लेकर सीधा तेंदुए को ढूंढने के लिए निकल जाऊं। उसे ढूंढकर उसके पीछे-पीछे चुपचाप से चलने लगूंगा और जैसी ही वो मेरे तरफ देखेगा, तो उसका शिकार कर दूंगा। इतना सोचती ही शेख ने खुद से कहा कि वैसे सुना है कि तेंदुए बहुत तेज दौड़ते और बड़ी छलांग भी लगाते हैं। अगर वो मेरे ऊपर चढ़ गया, तो क्या होगा? इस विचार को शेखचिल्ली ने अपने मन से जाने दिया। उसने कहा कि क्या हुआ अगर वो तेज दौड़ता है। क्या मैं उससे कम हूं। जैसे ही वो मेरी तरफ दौड़ेगा। मैं अपनी बंदूक चला दूंगा, लेकिन ऐसे पेड़ के पीछे छुपकर और बकरी की जान को खतरे में डालने से क्या होगा। सब के सब यहां डरपोक हैं। तभी जोर से बंदूक चलने की आवाज आई। आवाज सुनते ही शेखचिल्ली चिल्लाया तेंदुआ मर गया। सब लोग पेड़ के पीछे से बाहर निकल आए। उन्होंने देखा कि बकरी जैसी की तैसी ही पेड़ पर बंधकर घांस खा रही है। कुछ दूर उन लोगों ने नजर दौड़ाई, तो तेंदुए को मरा पाया। सबको लगा कि शेखचिल्ली ने ही तेंदुए का शिकार किया है। सबने शेखचिल्ली को बधाई दी। सबसे वाहवाही मिलने पर शेखचिल्ली खुश हो गया, लेकिन उसे खुद समझ नहीं आया कि आखिर तेंदुआ मरा कैसे।

वीर गाथा

मेजर मनीष पीतांबरे: खतरनाक सैन्य अभियानों में सिद्ध की अपनी योग्यता

मेजर मनीष पीतांबरे का जन्म वर्ष 1975 में महाराष्ट्र के ठाणे में माता हेमांगिनी पीतांबरे और पिता हीराजी अंबो पीतांबरे के घर में हुआ था। वे एक मेधावी छात्र और बहुत अच्छे खिलाड़ी थे। उन्हें सशस्त्र बलों से विशेष लगाव था।

माता-पिता चाहते थे कि मनीष डॉक्टर बनें, लेकिन वे सैनिक बनना चाहते थे। उनकी स्कूल शिक्षिका ने भी उन्हें बहुत प्रोत्साहित किया। मनीष की मेहनत कामयाब हुई और वे एनडीए के लिए चुन लिए गए। उसके बाद वर्ष 1996 में भारतीय सेना में शामिल हो गए। उन्होंने विशेष बल कमांडो के तौर पर प्रशिक्षण लिया और 3 पैरा (एसएफ) के बहादुर योद्धाओं में से एक बन गए।

मेजर मनीष ने कई खतरनाक सैन्य अभियानों में हिस्सा लिया और अपनी योग्यता सिद्ध की थी। उन्होंने कई बार न केवल देश के दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब दिया, बल्कि अपने साथियों की जान भी बचाई। उन्होंने ऐसे अभियानों का नेतृत्व किया, जिनमें काफी जोखिम था और आधा दर्जन से ज्यादा आतंकवादियों के खात्मे में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

मेजर मनीष वर्ष 2006 में जम्मू-कश्मीर में तैनात थे। वे 27 नवंबर को एक और अभियान में शामिल हुए। दरअसल उनकी यूनिट को अपने खुफिया सूत्रों से सूचना मिली थी कि बिजबेहरा इलाके में एक खतरनाक आतंकवादी छुपा हुआ है। यूनिट ने तय किया कि सूचना के आधार पर कार्रवाई की जाएगी और उसका जिम्मा मनीष को सौंप दिया।

उसी रात को टीम बताए गए इलाके में पहुंच गई और उसे घेर लिया। जब आतंकवादी को ललकारा गया तो उसकी ओर से गोलीबारी हुई। इसके साथ ही मुठभेड़ शुरू हो गई। इस दौरान मनीष ने उस शीर्ष कमांडर को मार गिराया। उसके साथी आतंकवादी अभी गोलीबारी कर रहे थे, जिससे एक जवान गंभीर रूप से घायल हो गया।

मेजर मनीष अपनी परवाह न करते हुए उसकी मदद करने के लिए आगे बढ़े। इसी दौरान उन्हें गोली लगी और गंभीर रूप से घायल होकर वीरगति को प्राप्त हो गए। मेजर मनीष पीतांबरे एक वीर सैनिक और काबिल अधिकारी थे, जो भारतीय सेना की गौरवशाली परंपरा को निभाते हुए ऐसे काम कर गए, जिन्हें देशवासी नमन करते हैं। उन्हें 'कीर्ति चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

दौरा

नई दिल्ली में शनिवार को केंद्रीय शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री धर्मेंद्र प्रधान 75 दिवसीय भारतीय भाषा उत्सव और 'प्रौद्योगिकी और भारतीय भाषा' पर दो दिवसीय शिखर सम्मेलन के शुभारंभ पर एक प्रदर्शनी का दौरा करते हुए।

खालिस्तान समर्थक चरमपंथियों ने स्कॉटलैंड में भारतीय उच्चायुक्त की गुरुद्वारा यात्रा रोकी

लंदन/भाषा

ब्रिटेन में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोरईस्वामी को खालिस्तान समर्थक चरमपंथियों ने स्कॉटलैंड के ग्लासगो शहर में एक गुरुद्वारे में प्रवेश करने से रोक दिया।

दोरईस्वामी इस सप्ताह स्कॉटलैंड के दौरे पर थे।

अल्बर्ट ड्राइव स्थित 'ग्लासगो गुरुद्वारा गुरु ग्रंथ साहिब' की एक योजनाबद्ध यात्रा के दौरान, सिख यूथ यूके के सदस्यों ने उच्चायुक्त की कार के पास आकर उन्हें वहां से जाने को कहा। सदस्यों ने गुरुद्वारे के अधिकारियों के साथ विवाद से संबंधित वीडियो पोस्ट किये।

स्थानीय पुलिस ने कहा कि उसे 'गड़बड़ी' के उपरांत बुलाया गया था और मामले में पूछताछ जारी है। स्कॉटलैंड पुलिस प्रवक्ता ने कहा, ''हमें शुक्रवार, 29 सितंबर को अपराह्न लगभग 1.05 बजे ग्लासगो के अल्बर्ट ड्राइव क्षेत्र में हुई गड़बड़ी की रिपोर्ट पर बुलाया गया था। किसी के घायल होने की कोई रिपोर्ट नहीं है और पूरी स्थिति स्थापित करने के लिए पूछताछ जारी है।''

ग्लासगो में उत्पन्न विवाद के बाद सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में एक सिख व्यक्ति को यह कहते हुए सुना जा सकता है, ''हमें किसी भी भारतीय राजदूत, आधिकारिक क्षमता में आए भारत सरकार के किसी भी व्यक्ति का स्वागत इसी तरह करना चाहिए।''

यह घटना उच्चायुक्त की स्कॉटलैंड की दो-दिवसीय यात्रा के अंत में हुई। स्कॉटलैंड की यात्रा के दौरान स्थानीय नेताओं, प्रवासी प्रतिनिधियों, व्यापार प्रमुखों और विश्वविद्यालय समूहों के साथ बैठकों और चर्चाओं की एक शृंखला शामिल थी। मामले की जानकारी रखने वाले अधिकारियों के मुताबिक, यह बैठक गुरुद्वारा समिति के आग्रह पर आयोजित की गयी थी। समिति ने दूतावास और अन्य मामलों से संबंधित चिंताओं के निपटारे के लिए बैठक बुलाई थी।

सूत्रों ने बताया कि कुछ बाहरी लोगों और कट्टरपंथी तत्वों के अनावश्यक विवाद ने शहर के अधिकांश शांतिप्रिय सिखों की बातचीत और सामुदायिक सहभागिता की योजना बाधित कर दी।

स्कॉटलैंड के प्रथम मंत्री हमजा यूसुफ के साथ उनकी मुलाकात के दौरान भारत में आतंकवाद के आरोप में हिरासत में ब्रिटिश सिख जगतार सिंह जोहल का मुद्दा भी उठाया गया।

भारतीय उच्चायोग ने बैठक के संदर्भ में ट्वीट किया, एफएम (प्रथम मंत्री हमजा) यूसुफ द्वारा उठाए गए कुछ मुद्दों का जवाब देते हुए, उच्चायुक्त ने जोर देकर कहा कि आठ गंभीर आरोपों का सामना कर रहे जोहल के मामले में कानून की उचित प्रक्रिया का पालन किया गया है। एफएम ने उच्चायुक्त के इस स्पष्ट संदेश की भी सराहना की कि भारत के बहुलवादी और स्वतंत्र लोकतंत्र में सभी समुदायों के अधिकारों की गारंटी है।''

भारतीय मिशन ने कहा कि स्कॉटिश नेताओं के साथ चर्चा में फिनटेक, टिकाऊ कृषि, पर्यटन और जल संरक्षण जैसे क्षेत्रों में भारत-स्कॉटलैंड सहयोग शामिल था।

अक्षय कुमार ने आईआईटी-आईएसएम के छात्रों से की 'मिशन रानीगंज' पर चर्चा

धनबाद(झारखंड)/भाषा

अभिनेता अक्षय कुमार ने अपनी आने वाली फिल्म 'मिशन रानीगंज-द ग्रेट भारत रेसक्यू' पर यहां 'आईआईटी-इंडियन स्कूल ऑफ माइन्स' के शिक्षकों तथा छात्रों से वर्चुअल माध्यम से चर्चा की।

यह फिल्म संस्थान के पूर्व छात्र जसवंत सिंह गिल के साहसिक कार्य पर आधारित है। गिल खनन इंजीनियर थे और उन्होंने 1989 में पश्चिम बंगाल के रानीगंज में एक जलमग्न भूमिगत खदान में फंसे 64 श्रमिकों को बचाया था। यह स्थान ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के अधिकार क्षेत्र में आता था।

अक्षय कुमार ने शुक्रवार शाम 6.30-7.30 के बीच संस्थान के पेनमैन ऑडिटोरियम में छात्रों और शिक्षकों के साथ गिल के साहसिक कार्य तथा अन्य मुद्दों पर बातचीत की।

तत्कालीन 'इंडियन स्कूल ऑफ माइन्स' (आईएसएम) के 1965 बैच के खनन इंजीनियर गिल को उनके साहसिक कार्य के लिए 1991 में तत्कालीन राष्ट्रपति रामास्वामी वेंकटरमण ने सर्वोत्तम जीवन रक्षा पदक से सम्मानित किया था।

आईआईटी-आईएसएम के निदेशक प्रोफेसर जे के पटनायक ने कहा, ''छात्रों ने उनसे आने वाली फिल्म सहित विभिन्न मुद्दों पर कई सवाल पूछे। बॉलीवुड अभिनेता ने सभी प्रश्नों के उत्तर दिए। उन्होंने संस्थान का दौरा करने की इच्छा भी व्यक्त की।'' छात्रों से बातचीत के दौरान कुमार ने कहा कि जब उन्हें गिल के काम के बारे में पता चला तो उन्हें बहुत प्रेरणा मिली और उन्होंने इस पर फिल्म बनाने का निर्णय किया। घटना के समय गिल रानीगंज में ईसीएल की महाबीर कोलीयरी में पदस्थ थे। उन्होंने फंसे हुए श्रमिकों को निकालने के लिए 2.5 मीटर लंबा स्टील का कैप्सूल बनाया और उसके जरिए सभी को बचाया। इस वीरतापूर्ण कार्य के लिए कोल इंडिया ने उन्हें लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से नवाजा था।

'ग्राउंड जीरो के ग्लोबल हीरो' बन गए हैं प्रधानमंत्रीः नकवी

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'परिवारतंत्र के रिवाज को प्रजातंत्र के मिज़ाज' में बदल कर 'ग्राउंड जीरो के ग्लोबल हीरो' बन गए हैं। उन्होंने यहां एक कार्यक्रम में यह भी कहा कि प्रधानमंत्री के निर्णायक नेतृत्व ने साबित किया है कि बड़े सुधारों के लिए जोखिम लेने में प्रतिबद्धता, संकल्प और साहस की जरूरत होती है।

भारत से श्रीलंका में निपाह वायरस फैलने की आशंका कम

कोलंबो/भाषा

भारत से श्रीलंका में निपाह वायरस फैलने की आशंका कम है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी।

श्रीलंका के स्वास्थ्य मंत्रालय की महामारी विज्ञान इकाई द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि भारतीय राज्य केरल से निपाह वायरस के प्रकोप को लेकर श्रीलंका में कम खतरा है। साथ ही कहा गया है कि इस खतरे से निपटने के लिए सख्त कदम उठाए जा रहे हैं।

बयान में कहा गया है, ''भारत में निपाह वायरस के प्रकोप के संबंध में श्रीलंका को कम जोखिम का सामना करना पड़ रहा है।''

केरल के कोझिकोड जिले में निपाह वायरस का प्रकोप अगस्त 2023 के अंत में सामने आया था और अब तक केवल छह लोग संक्रमित हुए हैं, जिनमें से दो लोगों की मौत हो गई है।

केरल में अधिकारियों द्वारा उठाए गए एहतियाती उपायों का हवाला देते हुए, महामारी विज्ञान इकाई ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में केरल में निपाह का यह चौथा प्रकोप था। निपाह एक जूनोटिक वायरस है, जो जानवरों से इंसानों मे फैलता है।

चीन की मेरी यात्रा सफल रही : प्रचंड

काठमांडू/भाषा

नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल 'प्रचंड' ने शनिवार को कहा कि हाल में संपन्न उनकी चीन यात्रा से काठमांडू-बीजिंग के बीच विश्वास का महौल मजबूत हुआ है और दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक संबंध और गहरे हुए हैं।

चीन से लौटने पर काठमांडू के त्रिभुवन हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बातचीत में प्रचंड ने कहा कि उनकी चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और अपने चीनी समकक्ष ली क्विंग से हुई बातचीत से नेपाल-चीन संबंधों को नई ऊंचाई पर ले जाने में मदद मिली है। ''उच्चस्तरीय बैठकों के दौरान चीन के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने भरोसा दिया कि नेपाल से पूर्व में किए गए समझौतों को तेजी से लागू किया जाएगा। चीन के अधिकारियों ने नेपाल और चीन के बीच सभी व्यापार मार्गों को दोबारा खोलने पर सहमति जताई, जिन्हें कोरोना महामारी के दौरान बंद कर दिया गया था।'' प्रचंड के नेतृत्व में चीन गया नेपाली प्रतिनिधिमंडल शनिवार दोपहर को चेंगदू शहर से काठमांडू लौटा। प्रचंड संयुक्त राष्ट्र महासभा की वार्षिक बैठक में शामिल होने के लिए 23 सितंबर को काठमांडू से न्यूयॉर्क के लिए रवाना हुए थे।

तर्पण

शनिवार को पटना में 'पितृ पक्ष' के दौरान गंगा नदी के तट पर श्रद्धालु अपने पूर्वजों के लिए 'तर्पण' अनुष्ठान करते हुए।

ट्रैवल मार्केट

शनिवार को तिरुवनंतपुरम में ग्लोबल ट्रैवल मार्केट (जीटीएम 2023) और एक्सपो के पहले संस्करण में विदेशी प्रतिनिधि।

'केसरी' के बाद डिप्रेशन में आ गए थे रणदीप हुड्डा

मुंबई/एजेन्सी

रणदीप हुड्डा को फिल्म इंडस्ट्री में आए लंबा समय हो गया है। वे चुनींदा फिल्मों में ही काम करते हैं। रणदीप इन दिनों अपनी फिल्म 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' की तैयारी में जुटे हैं। उन्हें इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार है। इसके लिए रणदीप ने 25 किलो वजन कम किया है। इस बीच रणदीप ने अपनी पुरानी फिल्म 'बैटल ऑफ सारागढ़ी' के बंद होने को लेकर बात की। इसके साथ उन्होंने इस फिल्म के बाद हुए अपने बुरे हाल और डिप्रेशन के बारे में भी बताया।

रणदीप के मुताबिक उनकी फिल्म 'बैटल ऑफ सारागढ़ी' साल 2016 में अनाउंस की गई थी लेकिन अक्षय कुमार की फिल्म 'केसरी' साल 2018 में रिलीज हो गई जो सारागढ़ी पर ही बेस्ड थी। उन्होंने फिल्म के लिए दाढ़ी और मूछ भी बढ़ाई। इसके चलते उन्होंने

हॉलीवुड व बॉलीवुड फिल्मों को ठुकरा दिया। फिल्म रिलीज नहीं होने पर रणदीप हुड्डा की सारी मेहनत पर पानी फिर गया, जिसके चलते वो डिप्रेशन में चले गए।

रणदीप ने 'मैशेबल इंडिया' के साथ एक इंटरव्यू के दौरान बताया कि वे फिल्म रिलीज नहीं होने से किस तरह से टूट गए थे और खुद के साथ हुए धोखे जैसा महसूस कर रहे थे। दर्शकों को फिल्म देखने का मौका नहीं मिला। उन्होंने ईशर सिंह की भूमिका निभाई, क्योंकि उन्होंने इस प्रोजेक्ट को 3 साल दिए थे। रणदीप ने कहा कि मैं डिप्रेशन के एक बड़े दौर से गुजरा हूं। मैं इससे काफी प्रभावित हुआ। मेरे माता-पिता मुझे अकेला नहीं छोड़ते थे। उनसे बचने के लिए मैं अपने कमरे में बंद हो जाता था, इस डर से कि कोई मेरी दाढ़ी काट लेगा। तब मैंने फैसला किया कि मैं अपने साथ ऐसा दोबारा नहीं होने दूंगा।

सिद्धार्थ रॉय कपूर ने फिल्म 'तुमसे ना हो पाएगा' बनाने के अनुभव को शेयर किया

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड फिल्मकार सिद्धार्थ रॉय कपूर ने फिल्म 'तुमसे ना हो पाएगा' बनाने के अनुभव को सोशल मीडिया पर शेयर किया है। कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'तुमसे ना हो पाएगा' डिज्नी + हॉटस्टार पर दिखायी जा रही है। अभिषेक सिन्हा निर्देशित, नितेश तिवारी, निखिल मेहरोत्रा द्वारलिखित, यह फिल्म सिद्धार्थ रॉय कपूर, रोनी स्क्रूवाला, अश्विनी अय्यर तिवारी और नितेश तिवारी द्वारा निर्मित है।

नोबेल 'हाउ आई ब्रेव्ड अनु आंटी एंड को-फाउंडेड ए मिलियन डॉलर कंपनी' पर आधारित, 'तुमसे ना हो पाएगा' आज के युवाओं के सामने आने वाली आधुनिक चुनौतियों और इनका सामना करने में उनकी दुविधा पर एक हल्का-फुल्का चित्रण है।

निर्माता सिद्धार्थ रॉय कपूर ने फिल्म 'तुमसे ना हो पाएगा' बनाने के बारे में एक दिल छू लेने वाला नोट लिखा, जिसे रॉय कपूर फिल्म्स के सोशल मीडिया हैंडल पर साझा किया । इसमें लिखा था,'मैं वरुण अग्रवाल से टकराया - सचमुच!'' - जब मैं आईआईएम-लखनऊ में एक भाषण के बाद मंच छोड़ रहा था, और वह अगले वक्ता के रूप में मंच पर चल रहे थे। उन्होंने मुझे अपनी नई किताब हाउ आई ब्रेव्ड एनी आंटी एंड को-फाउंडेड ए मिलियन डॉलर कंपनी की एक प्रति दी और मुझसे कहा कि यह मेरी मुंबई वापसी की उड़ान के लिए एक मजेदार किताब होगी। कुछ दिनों बाद मुझे नितेश तिवारी को किताब के बारे में बताने का मौका मिला, क्योंकि हम उन दिनों दंगल पर साथ काम करते हुए अक्सर मिल रहे थे। नितेश ने मुझे बताया कि उसने भी अभी-अभी किताब पढ़ी है और उसे यह किताब बहुत पसंद आई, और उसी समय हमने इसके ऑफिशियल राइटस के लिए और इसे बनाने का फैसला किया। प्रोजेक्ट के लिए सपोर्ट बढ़ता रहा...नितेश और निखिल मेहरोत्रा द्वारने एक अद्भुत पटकथा लिखी।

मुझे लगता है कि यह एक ऐसी कहानी है जिससे हर वह व्यक्ति जुड़ा होगा जो अपना खुद का कुछ करने का सपना देख रहा है। 'तुमसे ना हो पाएगा' में इश्वाक सिंह, महिमा मकवाना, गौरव पांडे, अमला अक्किनेनी, गुरप्रीत सैनी, परमीत सेठी और मेघना मलिक जैसे कलाकार शामिल हैं।

फिल्म 'लव विवाह डॉट कॉम' को मिले 10 मिलियन से ज्यादा व्यूज

मुंबई/वार्ता

भोजपुरी सिनेमा के चॉकलेटी स्टार प्रदीप पांडे चिंटू और अभिनेत्री आम्रपाली दुबे स्टारर भोजपुरी फिल्म 'लव विवाह डॉट कॉम'को 10 मिलियन से ज्यादा व्यूज मिल गये है। 'लव विवाह डॉट कॉम' वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज कर दी गई है।फिल्म को रिलीज हुई अभी महज कुछ ही दिन हुए है और फिल्म को 10 मिलियन से ज्यादा व्यूज और 113के से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं।फैंस प्रदीप पांडे चिंटू और आम्रपाली दुबे की जोड़ी को बतौर लीड पहली बार देखकर बेहद खुश हैं। इस फिल्म में काजल राघवानी की स्पेशल अपीयरेंस से फैंस को डबल मजा दिला दिया है। यह फिल्म मेडिकल कॉलेज में पढ़ रहे प्रदीप पांडे चिंटू और आम्रपाली दुबे के लाइफस्टाल पर अधारित है।

चिंटू और आम्रपाली मेडिकल कॉलेज में पढ़ाई करते हैं. चिंटू थोड़ा शर्मिला लड़का है. वहीं, आम्रपाली को इसमें काफी बोल्ड और दबंग के किरदार में दिखाया है। फिल्म 'लव विवाह डॉट कॉम' के प्रोड्यूसर प्रदीप सिंह, प्रतीक सिंह और कोमल जी हैं।निर्देशन अनंजय रघुराज ने किया है। रत्नाकर कुमार ने फिल्म को प्रस्तुत किया है। को-प्रोड्यूसर पदम सिंह हैं। इस फिल्म में प्रदीप पांडेय चिंटू ,आम्रपाली दुबे के साथ अमित शुक्ला, संदीप यादव, करण पांडेय, संजय यादव और ज्योति पांडे की भी अहम भूमिका है।

रणबीर कपूर ने 'एनिमल' के लिए अपनी फीस में की 50 फीसदी कटौती

मुंबई/एजेन्सी

रणबीर कपूर के लीड रोल वाली 'एनिमल' साल की मोस्ट अवेटेड फिल्म है। हाल ही में फिल्म का दमदार टीजर रिलीज किया गया था जिसे देखकर लोगों के होश उड़ गए थे। 'एनिमल' के टीजर को ऑडियंस का ज़बरदस्त रिस्पॉन्स मिला है। वहीं खबर आ रही है कि 'एनिमल' के ग्रैड विजन की वजह से और प्रोडक्शन में देरी के कारण, फिल्म की लागत काफी बढ़ गई है। ऐसे में रणबीर कपूर ने इसका खामियाजा अपने ऊपर ले लिया है। रणबीर कपूर का मौजूदा मार्केट वैल्यू लगभग 70 करोड़ रुपये प्रति फिल्म है। एक्टर अपनी फिल्म प्रोजेक्ट में काफी इन्वॉल्व रहते हैं। वह न केवल फिल्म की क्रिएटिव प्रक्रिया में बल्कि इसके लॉजिस्टिक्स में भी शामिल रहते हैं। वहीं पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक रणबीर कपूर ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'एनिमल' के मेकर्स भूषण कुमार और संदीप रेड्डी वांगा को सपोर्ट करने के लिए अपनी एक्टिंग फीस में 50 फीसदी से ज्यादा की कटौती की है। रिपोर्ट के मुताबिक, रणबीर कपूर एनिमल के लिए 30 - 35 करोड़ रुपये अपफ्रंट फीस चार्ज कर रहे हैं। एक्टर द्वारा कम की गई फीस की राशि उनके गैंगस्टर-ड्रामा के प्रोडक्शन वैल्यू को बेहतर बनाने पर खर्च की गई है। अगर फिल्म पर पैसा बनता है तो रणबीर कपूर का मुनाफे में हिस्सा होगा। जिसकी इस समय काफी संभावना दिख रही है।

'एनिमल' एक परेशान बाप-बेटे के रिश्ते के इर्द-गिर्द घूमती है जो अंडरवर्ल्ड के खतरनाक बैकग्राउंड पर बेस्ड है। इस वजह से फिल्म का हीरो साइकोपैथ में बदल जाता है। फिल्म में एक बेटे का अपने पिता के प्रति जुनूनी प्यार भी दिखाया गया है। 'एनिमल' को संदीप रेड्डी वांगा द्वारा निर्देशित किया गया है। फिल्म में रणबीर कपूर के अलावा अनिल कपूर, बॉबी देओल और रश्मिका मंदाना ने अहम रोल निभाया है। ये फिल्म 1 दिसंबर, 2023 को कई भाषाओं में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | रविवार | 01-10-2023 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

शैक्षणिक विश्वविद्यालयों में भले ही प्रमाणपत्रों की दरकार पड़ती हो, लेकिन जीवनरूपी विश्वविद्यालय में व्यवहार ही व्यक्तित्व की सबसे बड़ी अभिव्यक्ति होती है। जो व्यवहार कुशल नहीं उसे नहीं मालूम होता कि किस से कैसे व्यवहार करना चाहिए। वह मनुष्य होने की न्यूनतम अर्हता पूरी नहीं कर पाता। लिहाजा जीवन में व्यवहार कुशलता अत्यंत आवश्यक है। व्यवहार कुशल होना असल में जीवन जीने की विधि है। उद्दंड होने में कोई मेहनत नहीं लगती, लेकिन सुशील, सज्जन एवं व्यवहार कुशल होना बेहद कठिन है। मगर ये गुण गर्भ से ही नहीं ग्रहण किए जाते। जन्म के समय सभी की परिस्थितियां एक समान होती हैं।

बालाजी मेडिकल कॉलेज द्वारा 102 पेटेंटो का प्रकाशन किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री बालाजी मेडिकल कॉलेज द्वारा पिछले 4 वर्षों के अंतर्गत 102 पेटेंट प्रकाशित किए गए। पेटेंट प्रकाशनों की यह संख्या दक्षिण भारत के किसी भी अन्य मेडिकल संस्थानों से अधिक है। संस्थान का उद्देश्य आगामी 2024 तक पेटेंटो की संख्या को 200 तक करना है। प्रकाशित पेटेंटों में से दो पेटेंट बीएमडी डिजिटोमीटर से संबंधित है। बीएमडी डिजिटोमीटर ऑस्टियोपोरोसिस से पीड़ित महिलाओं में अस्थि खनिज के घनत्व को मापने के लिए डिजाइन किया गया है। इन उपलब्धियों के जश्न को मनाने के लिए मेडिकल कॉलेज संस्थान प्रबंधन ने अविष्कार दिवस का आयोजन किया तथा 40 से अधिक संकाय सदस्यों को पेटेंट निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका तथा उनके योगदान के लिए नगद पुरस्कार और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मद्रास विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. एसपी त्यागराजन थे।

इस अवसर पर बालाजी मेडिकल कॉलेज की चेयरपर्सन जे . श्रीनिशा ने कहा कि वह संस्थान द्वारा प्राप्त इस उपलब्धि पर गौरवान्वित है। उन्होंने कहा कि मुख्य चिकित्सा विषय में इतनी बड़ी संख्या में पेटेंट प्रकाशित करने की उल्लेखनीय उपलब्धि संकाय सदस्यों, छात्रों, अनुसंधान विद्वानों के अटूट समर्पण के बिना संभव नहीं हो सकता। ?

उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य 2024 तक 200 से अधिक पेटेंट को प्रकाशित करने का है। उन्होंने कहा कि वह नवाचार तथा शीर्ष स्वास्थ्य सेवा हेतु चिकित्सा उपकरण कंपनियों के साथ व्यावसायिक अवसरों की तलाश कर रहे हैं।

इस अवसर पर कॉलेज के चिकित्सा निदेशक डॉ. आर. गुणसेखरन ने कहा कि हमारे शोध प्रयास पर्याप्त संख्या में उच्च गुणवत्ता वाले पेटेंट तैयार करने पर केंद्रित है यह समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालेगा जिससे लोगों को स्वास्थ्य सुविधाओं में सुगमता होगी उन्होंने कहा कि उनका संस्थान अनुसंधान एवं विकास के लिए समर्पित है।

व्यवहार कुशल होना सफल जीवन का एक सुखद मार्ग है : देवेंद्रसागरसूरि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मनुष्य की पहचान उसके आचरण से होती है। कोई अपनी अच्छाई-बुराई का प्रमाणपत्र लेकर नहीं घूमता, बल्कि उसका व्यवहार ही उसके व्यक्तित्व का प्रतिबिंब है। उपरोक्त बातें आचार्यश्री देवेंद्रसागरसूरिजी ने श्री सुमतिवल्लभ नोर्थटाउन जैन संघ में प्रवचन देते हुए कही, उन्होंने आगे कहा कि शैक्षणिक विश्वविद्यालयों में भले ही प्रमाणपत्रों की दरकार पड़ती हो, लेकिन जीवनरूपी विश्वविद्यालय में व्यवहार ही व्यक्तित्व की सबसे बड़ी अभिव्यक्ति होती है। जो व्यवहार कुशल नहीं उसे नहीं मालूम होता कि किस से कैसे व्यवहार करना चाहिए। वह मनुष्य होने की न्यूनतम अर्हता पूरी नहीं कर पाता। लिहाजा जीवन में व्यवहार कुशलता अत्यंत आवश्यक है। व्यवहार कुशल होना असल में जीवन जीने की विधि है। उद्दंड होने में कोई मेहनत नहीं लगती, लेकिन सुशील, सज्जन एवं व्यवहार कुशल होना बेहद कठिन है। मगर ये गुण गर्भ से ही नहीं ग्रहण किए जाते। जन्म के समय सभी की परिस्थितियां एक समान होती हैं। मगर उसके बाद जिनके घर का माहौल अच्छा होता है जहां अच्छाई-बुराई का पाठ पढ़ाया जाता है उन घरों के बच्चे प्राय: सुशील और अनुशासन प्रिय होते हैं। ऐसे में किसी भी बाल का चरित्र निर्माण उसके घरेलू माहौल और मित्रों की संगत पर अधिक निर्भर करता है। व्यवहार कुशल होना सफल जीवन का एक सुखद मार्ग है। जो व्यक्ति व्यवहार कुशल होता है वह जीवन में कभी असफल नहीं होता। उसके जीवन में पग-पग पर सफलता मिलती रहती है। वह अपने व्यवहार से दूसरों को प्रभावित कर लेता है । अगर किसी को सफल व्यक्ति मानते हो तो भी मान लेना चाहिए कि वह दूसरों से अधिक व्यवहार कुशल है। इसी तरह जो लोग असफल हैं उनके संबंध में मान लेना चाहिए कि वे आचरण व व्यवहार से उद्दंड हैं अथवा हीनभावना से ग्रसित हैं। ऐसे ही व्यक्ति मान लेते हैं कि वे संसार के सबसे निकृष्ट प्राणी हैं। ऐसी मनोवृति हीनभावना के कारण, व्यवहार कुशल न होने के कारण ही बनती है। यह एक प्रकार की बीमारी है। एक व्यक्ति ऐसा होता है जो मिलता है तो मन घृणा से भर जाता है और दूसरा जब बिछुड़ता है तो आंख से आंसू निकल पड़ते हैं। दोनों ही मनुष्य हैं। बाहर से देखकर यह नहीं बताया जा सकता कि कौन अच्छा है, कौन बुरा है। केवल उनके व्यवहार से पता चलता है कि यह व्यक्ति अच्छा है या बुरा है। आप दूसरों से कैसा व्यवहार करते हैं यही महत्वपूर्ण है। इसलिए कहा जाता है कि व्यवहार कुशल व्यक्ति समाज में लोकप्रिय बन जाता है।

आचार्य हरिपद्मसूरी महान विद्वान थे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पुरुषवाक्कम में ए एम के एम में विराजित साध्वीश्री चैतन्याश्रीजी म. सा.ने अपने प्रवचन मे बताया कि आचार्य हरिपद्मसूरिजी महान विद्वान थे। परंतु एक संस्कृत गाथा का अर्थ उन्हे नहीं आ रहा था। वे एक वृद्ध साध्वी के पास गये, उन्होंने उस गाथा का अर्थ पूछा जिनका नाम था याकीनी महतर वृध साध्वी को अर्थ तो पता था परंतु भट्टाचार्यजी के पास भेजा। क्योंकि वह हरिपद्मसुरिजी को देखते ही उनके उज्ज्वल भविष्य तथा जिनशासन के कर्णधार बनेंगे जान लिया था। संस्कृत के प्रकांड विद्वान भट्टाचार्यजी के शिष्य बनने के लिए हरीपद्मसुरिजी को वृध साध्वी ने भेजा। परदर्शन का अध्ययन करना चाहते थे। बौद्ध धर्म के स्थान पर पहले जैनों का जाना मना था, पर उन्हें जाना था। बौद्ध का विद्यापीठ में जाने के लिए वेश परिवर्तन करके चले। गुरु ने मना किया पर वे नहीं माने। वहां वे अध्ययन कर रहे हैं तुलनात्मक अध्ययन करते हैं। अपने धर्म को श्रेष्ठ बताने के लिए वे पढ़ रहे थे। वे शिष्य एक पन्ने पर सारे अध्ययन को लिखते थे। पन्ना गलती से हवा से उडकर गुरु जो बौद्ध के थे उनके हाथ लगा। अब इन दोनों शिष्यों को पकड़ने के लिए धरती पर जिनेंद्र भगवान की प्रतिमा को चित्रित किया और उस पर सारे शिष्य को चलने के लिए कहा। हंस ने अपने हाथ से उस जिन प्रतिमा पर चलने से पहले उसे बुद्ध की प्रतिमा में कन्वर्ट कर दिया और उस पर से चले, लेकिन विद्या गुरु को पता चल गया एक शिष्य मारा गया था, पर परमहंस राजा की शरण में गए थे जिन्होंने राजा जिन धर्मी थे परंतु अत्यंत विकट परिस्थिति से परमहंस को अपने गुरु के पास जाने को मिला। वहां जाकर सारी परिस्थिती हरीभद्रसुरिजी को बताइ, हार्ट अटैक आकर उनका भी देवलोक गमन हुआ। देवलोक गमन के पूर्व गुरु आज्ञा को नहीं मानने का प्रायश्चित लिया। हरिभद्रसुरिजी अत्यंत दुखित होने से उनके मन में उन सारे बौद्ध धर्मावलंबी को मारने के भाव आए परंतु गुरु के समझाने पर प्रायश्चित के लिए उन्होंने 1444 ग्रंथ की रचनाकार जिन शासन की महती प्रभावना की।

प्रचार प्रसार समिति के संयोजक गौतमचंद गुगलिया ने बताया कि पुछीसुनम का संपूट जाप सुचारू रूप से चल रहा है। बाहर गांवों से महाराष्ट्र से अनेकों दर्शनार्थी रोज दर्शन के लिए आ रहे हैं।

संसार में सब दुःखों की जड़ मोह और माया है : महासती धर्मप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। संसार मे सब दुःखों की जड़ मोह-माया है। शनिवार साहूकारपेट जैन भवन में साध्वीश्री धर्मप्रभाजी ने कहा कि मोह में इंसान अंधा और बहरा हो जाता है। उचित और अनूचित का भान भूलकर वह विषय विकारों और भोग में डूबकर स्वंय का दुश्मन बनकर जीवन भर दुःख भोगता है और आत्मा को मलिन बना देता है। मनुष्य का मोह अगर खत्म हो जाए तो उसके जीवन मे कभी दुःख नहीं आने वाले है। मोह और तृष्णा जब तक है तब तक जीवन मे सुख नहीं आने वालें है। मोह सभी दुखों की जड़ है,जिससे हमारी जिंदगी तो बर्बाद होती ही है जीवन का सुख और चैन छीन जाता है और आत्मा को कंलकित कर देती है। समय रहतें मनुष्य अपने मन पर अकुश लगा लेता है तो मोह पर विजय प्राप्त कर लेता है तो अपनी इस आत्मा को दुर्गति में जाने से बचा सकता है। साध्वी स्नेहप्रभा ने उत्तरायतन सूत्र का वाचन करते हुए कहा कि झूठी मोह माया में फंसकर मनुष्य अपने जीवन के असली मकसद को भूलता जा रहा है जिस कारण उसे दुखों का सामना करना पड़ता है। मोह से ग्रस्त व्यक्ति परमात्मा को याद नहीं करता वह भोगो में डूबा रहता है और मोह मे सुख की तलाश करता है जबकि सुख मोह में नहीं मोह को त्यागने पर मिलता है। मोह और माया हमें जन्म-मरण के चक्र में बांधती है जबकि हमारी स्वभाविक अवस्था अमरत्व है।

एस.एस.जैन संघ के कार्याध्यक्ष महावीर चन्द सिसोदिया ने बताया धर्मसभा मे अनेक श्रद्धालुओं के साथ श्री संघ के महामंत्री सज्जनराज सुराणा,सुरेश चन्द डूगरवाल,सुभाष चन्द काकलिया, शभ्भूसिंह कावड़िया आदि ने अतिथियों का स्वागत किया।

अपनी आराधना ऐसी होनी चाहिए कि दूसरों को प्रेरणा मिले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां किलपॉक श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ में विराजित गच्छाधिपति आचार्यश्री उदयप्रभ सुरीश्वरजी के शिष्य गणिवर्य समर्पणप्रभ विजयजी ने 'ओघ निर्युक्ति' ग्रंथ की विवेचना करते हुए में कहा कि इस आगम में महापुरुषों साधु- साध्वी, श्रावक, श्राविका के जीवन की आचार संहिता का वर्णन है। आगम के प्रमुख चार ग्रंथ है आवश्यक सूत्र, अनुयोग, उत्तराध्ययन सूत्र और ओघ निर्युक्ति। ओघ निर्युक्ति ग्रंथ में सात द्वार बताए गए हैं प्रतिलेखना द्वार यानी वस्तु, पात्र प्रतिलेखन, पडिलेहन विधि आदि, पिंड द्वार यानी साधु के आहार चर्या का वर्णन, उपधि द्वार यानी उपकरण आदि की जयणा का वर्णन, अनायतन द्वार यानी साधु के ठहरने की जगह और जीवों की हिंसा से बचने का लक्ष्य, प्रतिसेवन, आलोचना और आलोचना पूर्ण करना यानी आलोचना लेनी ही नहीं, पूर्ण करनी है। इससे आत्मा के मलिन संस्कार दूर होते हैं। शास्त्र विधान में बताया गया है कि साधु का विहार नौकल्पी विहार होना चाहिए। गुरु भगवंत कष्ट होने पर भी जीवदया का पूर्ण पालन करते हैं।

उन्होंने कहा मुहपत्ति पडिलेहन के पीछे हीलिंग रही हुई है। इससे हमारे अंदर रहे हुए कषायों का विसर्जन हो रहा है, ऐसा सोचना। उन्होंने कहा अपनी आराधना ऐसी होनी चाहिए कि दूसरों को प्रेरणा मिले। साधु जीवन और श्रावक जीवन में यह अंतर है कि साधु के पास कोई सामग्री नहीं है, फिर भी उनमें उत्तमोत्तम सुख रहा हुआ है। उनके मन में हर रोज बार- बार शुभ भावों का आगमन होता रहता है। संसारी जीव के मन में सामग्री पाने की लालसा और अज्ञानता रहती है। साधु का तो केवल एक लक्ष्य होता है गुणों की प्राप्ति व मोक्ष की प्राप्ति। संसारी व्यक्ति भी अपनी साधना से उच्च कोटि के श्रावक तो बन ही सकते हैं। सच्चा श्रावक वह है जो यह सद्भावना रखे कि मैं भी एक दिन साधु बनूं, इसलिए श्रावक को श्रमणोपासक कहा गया है। गणिवर्य ने कहा कि दुःख नाम की कोई चीज संसार में है ही नहीं। यह एक कल्पना मात्र है। संसारी व्यक्ति ममत्व पैदा करता है। वास्तव में दुःख को खड़ा किया गया है। जो अपेक्षा, चिंता पूरी होने वाली नहीं हो तो वह क्यों लेना? जीवन में हमें निश्चिंत बन जाना चाहिए, वही परम सुख है। जीवन में आध्यात्मिक विकास करना है, उत्तम श्रावक बनना है तो गुरु का सान्निध्य जरूरी है। हमें दैनिक चर्या में छोटी-छोटी चीजों में जयणा का पालन करना चाहिए, इससे धीरे-धीरे उत्तम कक्षा में पहुंच जाओगे। छोटा सा नियम जीवन को बदल देता है। नियम और नियंत्रण से अलंकृत कर जीवन को उत्तम बनाना है।

ईश्वर की प्रार्थना दुनिया की सबसे बड़ी ताकत है : साध्वी भव्यगुणाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सिमंधरस्वामी राजेंद्रसूरी ट्रस्ट मामुलपेट के तत्वावधान में आयोजित चातुर्मास में गुरु राजेन्द्र भवन किलारी रोड में विराजित साध्वी भव्यगुणाश्रीजी ने कहा कि हृदय से उठकर होंठ तक आए उससे पहले ही जो भगवान तक पहुंच जाए उसका नाम है प्रार्थना। ईश्वर की प्रार्थना सबसे बड़ी ताकत है दुनिया की सबसे बड़ी ताकत अगर कोई है तो वह है ईश्वर की प्रार्थना। जब हम गाते हैं, 'तुम्ही हो माता, पिता तुम्ही हो...'तब हमारा हृदय कितना आत्मविश्वास से भर जाता है कि ईश्वर मेरे साथ है। जब हम गाते हैं- इतनी शक्ति हमें देना दाता...तो एक नैतिक और पवित्र जीवन जीने का मार्ग हमारे मन में आता है। जब हम यह प्रार्थना करते हैं- मिलता है सच्चा सुख केवल भगवान तुम्हारे चरणों में...ये प्रार्थनाएं हमारे जीवन को ईश्वर से जोड़कर रखती हैं। जब हम बचपन में स्कूलों में गुनगुनाया करते थे- हे प्रभु आनंद दाता, ज्ञान हमको दीजिए...स्कूल जाते ही हमारा पहला काम होता था प्रार्थना करना। क्या आपको अपने उस बचपन से जीने की प्रेरणा नहीं मिली कि जीवन में कोई भी काम शुरू करो उससे पहले प्रार्थना शुरू करो।

दुकान, प्रतिष्ठान, संयंत्र का जैसे ही शटर ऊपर हो- काम या व्यापार बाद में शुरू कीजिए, पहले सब एक जगह इक्ट्ठा होकर तीन मिनट की प्रार्थना करो। अगर आपका व्यापार, आपकी फैक्ट्री का उत्पादन दोगुना न हो जाए तो कहना। काम की शुरुआत में ही जिसने ईश्वर को अपना मान लिया उसका काम अवश्य फलीभूत होता है। आज ही से अपने घर पर नित्य प्रार्थना की आदत डालो।

'प्रभु के जन्ममात्र से ही तीनों लोक में खुशियां छा जाती हैं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अक्कीपेट के तत्वावधान में अक्कीपेट स्थानक में विराजित डॉ प्रतिभाश्रीजी के सान्निध्य में पुच्छीसुणं का संपुट्ट जाप का आयोजन गतिमान है। साध्वीश्री ने उपस्थित श्रावक श्रावकिओं द्वारा पुच्छीसुणं की दसवीं गाथा का संपृष्ट जाप किया गया। गाथा का विवेचन करते हुए साध्वी अनुज्ञाश्रीजी ने कहा कि इस लोक में पांच मेरु पर्वत है। तीर्थंकरों का जन्म के समय देवताओं द्वारा अभिषेक मेरु पर्वत पर पांडुकशीला पर होता है। मेरु पर्वत के शास्त्रों में सोलह नाम बताए गए हैं। जब तीर्थंकर का जन्म होता है तब तीनों लोक में प्रसन्नता छा जाती है खुशी छा जाती है। जब तीर्थंकर का जन्म होता है तब नरक के जीवों को भी थोड़ी देर के लिए शांति मिलती है। तीर्थंकरों का विचारण एवं गमनागमन संसार के जीवों के लिए कल्याणकारी होता है। तीर्थंकर परमात्मा के ऊपर कितने सारे उपसर्ग आए तो भी समभावों से सहन करके अपनी कर्म निर्जरा की। शूलपानी यक्ष का उपसर्ग भी समभाव से सहन किया। गजसुकूमाल का जन्म राजमहलों में हुआ पर उन्होंने राजमहलों की सुख सुविधाओं को छोड़कर संसार की आसारता को जानकर दीक्षा ग्रहण कर ली। भगवान महावीर को नयसार के भव में सम्यक दर्शन की प्राप्ति हुई थी। हमारे अंदर भी सम्यक ज्ञान दर्शन चरित्र भरा हुआ है। पर उन सब के ऊपर अज्ञान का आवरण आया हुआ है। हमें पुरुषार्थ करके उस आवरण को हटाना है। साध्वी ऋषिताश्रीजी ने चातुर्मास संबंधी सूचनाएं प्रदान की। शनिवार को तरुण सुखलेचा ने पंद्रह उपवास के प्रत्याख्यान ग्रहण किये। धर्म सभा में हीराबाग से महिला मंडल तथा बोईसर से श्रद्धालु उपस्थित थे।

प्रभु का अभिषेक करने से हर मनोरथ पूर्ण होता है : आचार्य महेन्द्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

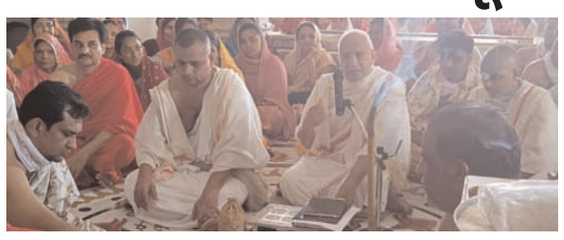

राणेबेन्नूरु।शहर के सुमतिनाथ जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीश्वरजी की निश्रा में एकादशन्हिका महासहोत्सव में आचार्यश्री ने कहा कि का जो मुख्य साधन है, वह कलश है। परमात्मा का जो अभिषेक है वो सिर्फ मूर्ति के ऊपर जल धारा करने की प्रक्रिया नहीं है, किन्तु वहाँ जो माहौल होता है उससे से अर्थात भाव से है। सभी श्रद्धालु पूरी निष्ठा से अपने अपने स्तर पर पूजा, नृत्य,चंवर आदि करते हैं, उस वातावरण का नाम अभिषेक हैं। अभिषेक प्रभाव के अनेक उदाहरण शास्त्रों में मिलते है। अभिषेक दुष्ट विद्याओं का दमन करने वाला है। प्रतिकूल ग्रहाचरों को भी अनुकूल करने वाला है। अभिषेक रहस्यमय तंत्र कोटि में समाविष्टता है, क्योंकि उससे हर प्रकार के अहित कार्यों की आप सिद्धि कर सकते हो। दिव्य जल से जिनेश्वर प्रभु के मस्तक पर निरंतर धारा करने से दुनिया के हर कार्य, मनोरथ व सिद्धि पूरी होजाती है। कलश संपूर्ण देव देवियों का स्थान होता है।

'आत्मा यानी जीवन को थामने वाली ताकत'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनाथ श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ एलएन पुरम श्रीरामपुरम में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री राजपद्मसागरजी व श्रमणपद्मसागरजी की निश्रा में नवान्हिका महोत्सव प्रारंभ हुआ। मुनिश्री ने कहा कि चातुर्मास में विविध प्रकार की आराधना-साधना एवं तपस्या हुई इसी उपलक्ष में साधना की सिद्धि और आत्मा की उन्नति के लिए परमात्मा भक्ति का यह महा महोत्सव है, आत्मा हमारे जीवन की सबसे गहरी सच्चाई है। यह हमारे सबसे करीब है, मगर फिर भी हमें इसके अंतरबोध से वंचित है। आत्मा यानी जीवन को थामने वाली ताकत।

जब तक यह ताक़त है इंसान एक खिले हुए फूल की तरह है। यह ताक़त निकल जाए तो हम पलक झपकते ही मरघट के मुसाफिर हो जाते हैं। यो तो आत्मा के बारे मे जिज्ञासा हर किसी को होती हैं,पर आत्मा में उतरने की प्यास सौभाग्य से ही जगती है परमात्मा भक्ति की यह ताक़त है जो आत्मा को परमात्मा बना देती हैं।

मरलेचा परिवार ने शूले सर्कल पर सत्यमेव जयते व बुद्ध प्रतिमा का किया अनावरण

विधायक एनए हैरिस की उपस्तिथि में हुआ अनावरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक एनए हैरिस की उपस्थिति में

शूले अशोकनगर सर्कल (शोऑफ सर्कल) पर स्व. धर्मेन्द्र मुन्ना मरलेचा की स्मृति में सत्यमेव जयते अशोक स्तंभ तथा स्व. चम्पाबाई, सिरेमलजी व किरणचन्द मरलेचा के स्मृति में बुद्ध प्रतिमा का अनावरण किया गया। इस मौके पर विधायक हैरिस ने स्व. मुन्ना मरलेचा द्वारा किए गए समाजसेवी कार्यों की सराहना करते हुए क्षेत्र में डायलेसिस उपचार केन्द्र खोलने की योजना बताई। उपस्थित जनों ने शूले सर्किल का नाम मुन्ना मरलेचा के नाम से करने की भावना जताई। रसीला राजेन्द्र मरलेचा ने उपस्थित सभी को धन्यवाद दिया। इस मौके पर मरलेचा परिवार के सदस्य व हितैषीगण उपस्थित थे।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Aditya at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.

Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.